दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना   वर्ष-15, अंक -160 जबलपुर, रविवार 19 जुलाई 2026   कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8   संपादक अरुण श्रीवास्तव

अहमदाबाद में अवैध फैक्ट्री में धमाके से दहला शहर, 8 की मौत और कई घायल

अहमदाबाद-(आरएनएस)। गुजरात के अहमदाबाद शहर में अवैध रूप से चल रही पटाखे की एक फैक्ट्री में हुए ज़बरदस्त धमाके में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, रामोल-गात्रद रोड पर स्थित फैक्ट्री में हुआ धमाका इतना ज़बरदस्त था कि इसकी आवाज़ पाँच किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके का असर बहुत ज़्यादा था और अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर भारी नुकसान हुआ है। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया। पीड़ितों में से चार को स्त्न अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि तीन अन्य को असरवा सिविल अस्पताल भेजा गया। बाकी घायलों की हालत के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। यह फ़ैक्टरी वस्त्राळ में रैपिड एक्शन फ़ोर्स कैंप के पीछे स्थित है। धमाके की आवाज़ सुनते ही कैंप में तैनात जवान तुरंत मौक़े पर पहुँचे और फ़ायर ब्रिगेड की टीमों के आने से पहले ही बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने घायलों को बाहर निकालने और मलबे में फँसे लोगों को बचाने में मदद की। मौक़े पर पाँच से ज़्यादा फ़ायर इंजन तैनात किए गए। फ़ायरफ़ाइटर्स ने आग पर काबू पाया और आग को दोबारा भड़कने से रोकने के लिए कूलिंग ऑपरेशन जारी रखा।

अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की फ़ायर और इमरजेंसी सर्विस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य नागरिक अधिकारी बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए मौक़े पर पहुँचे। ज़ोन-8 के डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस मयूर पाटिल और सेक्टर-2 के जॉइंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस जयपाल सिंह राठौर भी मौक़े पर मौजूद थे। अधिकारियों ने धमाके की वजह और पटाखा फ़ैक्टरी के कथित तौर पर अवैध रूप से चलने की जाँच शुरू कर दी है।

भारत का पहला विक्रम-1 रॉकेट लॉन्च, रचा इतिहास, 450 किमी पर पेलोड स्थापित कर बना दुनिया का तीसरा देश

नई दिल्ली.(आरएनएस)। भारत का पहला निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट विक्रम-1 शनिवार को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। विक्रम-1 ने अंतरिक्ष में अपनी तय कक्षा (ऑर्बिट) सफलतापूर्वक हासिल कर ली है। इस ऐतिहासिक कामयाबी के साथ ही भारत, निजी क्षेत्र में ऑर्बिटल लॉन्च (कक्षीय प्रक्षेपण) की क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया है।

इस रॉकेट को हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस ने विकसित किया है। स्काईरूट एयरोस्पेस ने अपने आधिकारिक एक्स से पोस्ट करते हुए बताया, भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 (टेस्ट फ्लाइट-1) ने अंतरिक्ष में अपनी तय कक्षा (ऑर्बिट) सफलतापूर्वक हासिल कर ली है। रॉकेट ने अपने अंतिम बर्न (ईंधन दहन चरण) को पूरा करते हुए पेलोड्स को पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित कर दिया। इस ऐतिहासिक कामयाबी के साथ ही भारत, निजी क्षेत्र में ऑर्बिटल लॉन्च (कक्षीय प्रक्षेपण) की क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का तीसरा देश बन गया है।

विक्रम-1 में तीन सॉलिड-फ्यूल चरण और एक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल लगाया गया है। मिशन का उद्देश्य 350 किलोग्राम तक के पेलोड को 60 डिग्री के झुकाव वाली 450 किलोमीटर ऊंची लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में स्थापित करना है।

वांगचुक को अनशन के 21वें दिन पुलिस ने उठाया-एंबुलेंस से अस्पताल भेजा; भूख हड़ताल पर बैठे कॉकरोच पार्टी फाउंडर दीपके पर महिला ने स्याही फेंकी

नई दिल्ली.(आरएनएस)। जलवायु कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने शनिवार 18 जुलाई की तड़के उन्हें जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए की गई.

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का विरोध किया, जिससे वहां हंगामा हो गया। वहीं कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टछ्वक्) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू कर दी है। मंच से नीचे आकर बैठे दीपके पर एक महिला ने स्याही फेंकी।

वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे हैं। उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। उनका वजन करीब 9.5 किलो कम हो गया है। दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को आदेश दिया था कि वांगचुक का रोजाना मेडिकल चेकअप किया जाए और जरूरत पड़ने पर उनका इलाज कराया जाए। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने हस्तक्षेप करने का प्रयास किया, जिससे कुछ समय के लिए हल्का हंगामा हुआ. हालांकि पुलिस ने संयम बरतते हुए पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्वक और सुरक्षित ढंग से पूरी की. साथ ही जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक धरनास्थल खाली करने की अपील भी की गई. सोनम वांगचुक 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं. शुक्रवार को जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, उनका वजन लगभग नौ किलोग्राम घटकर 56.55 किलोग्राम रह गया है. चिकित्सकों ने लंबे समय से जारी उपवास के कारण उनके स्वास्थ्य पर गंभीर चिंता जताई थी. दिल्ली हाई कोर्ट ने वांगचुक के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करने और आवश्यकता पडने् पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे. इन्हीं निर्देशों के तहत शनिवार तड़के उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है

शनिवार को पुलिस की टीम जंतर मंतर पर पहुंची

शनिवार तड़के जब पुलिस टीम उन्हें चिकित्सा सहायता देने के उद्देश्य से जंतर-मंतर पहुंची, तो वहां मौजूद कुछ प्रदर्शनकारियों ने अदालती आदेश की तामील में रुकावट डालने की कोशिश की। इस वजह से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और हंगामे की स्थिति बन गई। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने बेहद संयम का परिचय देते हुए पूरी प्रक्रिया को सुरक्षित तरीके से अंजाम दिया और वांगचुक को एम्बुलेंस के जरिए सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों की टीम रख रही कड़ी निगरानी

इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने जंतर-मंतर पर डटे अन्य आंदोलनकारियों से भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांतिपूर्ण ढंग से धरनास्थल को खाली करने की अपील की है। फिलहाल, अस्पताल में डॉक्टरों की एक विशेष टीम सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और उनका उपचार किया जा रहा है।.

अमरनाथ से राजस्थान लौट रहे श्रद्धालुओं की बस बनी आग का गोला, बमुश्किल बची 47 लोगों की जान

सलूंबर.(आरएनएस)। राजस्थान के सलूंबर जिले के तीर्थयात्री जो अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे, उनकी बस में जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में आग लग गई. इस घटना में बस तो पूरी तरह जल गई, लेकिन सभी 47 तीर्थयात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि आग में यात्रियों का सामान, नकदी और मोबाइल फोन जलकर खाक हो गए.

रिपोट्‌र्स के मुताबिक सलूंबर जिले के सराडा ब्लॉक के धाकड़ा गांव के 47 तीर्थयात्री 9 जुलाई को दो बसों में अमरनाथ यात्रा के लिए निकले थे. गुरुवार शाम को, जब वे बाबा बर्फानी (भगवान अमरनाथ) के दर्शन करके लौट रहे थे, तो रामबन जिले के करोल इलाके में एक बस का टायर अचानक फट गया. शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि टायर फटने के बाद बस के फ्यूल टैंक में आग लग गई. कुछ ही पलों में आग की लपटों ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया. पीछे आ रही दूसरी बस के तीर्थयात्रियों और अन्य वाहन चालकों ने तुरंत ड्राइवर को आग के बारे में सचेत किया.

तीर्थयात्री ने ये बताया

तीर्थयात्रियों में से एक देवीलाल डांगी ने बताया कि जैसे ही आग का पता चला, सभी यात्रियों को तुरंत बस से बाहर निकाल लिया गया. कुछ ही मिनटों में गाड़ी आग की लपटों में घिर गई और जलकर राख हो गई. यात्रियों की सतर्कता और समय पर बाहर निकलने की वजह से एक बड़ा हादसा टल गया.

क्या कार्रवाई की गई?

घटना की खबर मिलते ही सीआरपीएफ और फायर डिपार्टमेंट की टीमें मौके पर पहुंच गईं. सीआरपीएफ की 84वीं बटालियन के कमांडेंट विजय सिंह खटाना ने बताया कि जवानों ने सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और फायर टेंडरों की मदद से आग पर काबू पाया. इसके बाद इलाके में सुरक्षा सुनिश्चित की गई. घटना के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने तीर्थयात्रियों को तुरंत राहत पहुंचाई. उनके रहने और खाने-पीने का इंतजाम किया गया ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो. प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए जरूरी कदम भी उठाए हैं.

भाजपा सरकार नोटों की छपाई का भी निजीकरण करने की कोशिश कर रही है- अखिलेश यादव

उत्तर प्रदेश-(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी एक निविदा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या भ्रष्ट भाजपा राज में अब नोटों का भी निजीकरण कर दिया जाएगा।

भारतीयनौसेना जानकारी

सपा प्रमुख ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता ने कभी यह नहीं सोचा था कि कमीशनखोरी का मॉडल इस हद तक गिर जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब देश की मुद्रा ही आत्मनिर्भर नहीं होगी, तो फिर अर्थव्यवस्था और देश के आत्मनिर्भर होने का दावा कैसे किया जा सकता है।

4 वर्षीय मासूम रेप पीड़िता की मौत पर अस्पतालों पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

आपने गरीब बच्ची का इलाज नहीं किया, नाम से डॉक्टर हटा लो...

नई दिल्ली। (आरएनएस)। गाजियाबाद में 4 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को समय पर इलाज नहीं मिलने के मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने दो निजी अस्पतालों और उनके डॉक्टरों को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि अस्पतालों ने बच्ची की गरीबी को देखते हुए उसके इलाज में संवेदनहीनता दिखाई और उसकी जान बचाने के लिए आवश्यक प्रयास नहीं किए। यह मामला 16 मार्च का है। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति चॉकलेट दिलाने का लालच देकर 4 वर्षीय बच्ची को अपने साथ ले गया। काफी देर तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में बच्ची पास ही बेहोशी की हालत में खून से लथपथ मिली।

परिजन उसे इलाज के लिए दो निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, लेकिन दोनों अस्पतालों ने कथित तौर पर उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया। इसके बाद बच्ची को गाजियाबाद के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सुनवाई के दौरान बच्ची के पिता ने दावा किया कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी उनकी बेटी लगभग दो घंटे तक जीवित थी। उनका कहना था कि यदि समय पर इलाज मिल जाता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित स्ढ्ढञ्ज ने भी अपनी रिपोर्ट में माना कि बच्ची को समय पर जरूरी चिकित्सा सुविधा नहीं मिली।

अमरनाथ-वैष्णो देवी यात्रा रोकी गई-जम्मू-कश्मीर में बारिश का रेड अलर्ट; छत्तीसगढ़ में बारिश का 93 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली-(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में मौसम के बदलते मिजाज और भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए श्री अमरनाथ यात्रा और श्री माता वैष्णो देवी यात्रा दोनों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी की गई प्रतिकूल मौसम की चेतावनी के बाद यह एहतियातन फैसला लिया गया है।

कश्मीर के मंडलायुक्त अंशुल गर्ग के अनुसार, आगामी दिनों में खराब मौसम की गंभीर आशंका के चलते यह निर्णय लिया गया है। बालटाल और पहलगाम दोनों ही पारंपरिक मार्गों से होने वाली अमरनाथ यात्रा को पूरी तरह रोक दिया गया है। जम्मू-कश्मीर में अगले तीन दिन भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिसके चलते अमरनाथ यात्रा 19 जुलाई 2026 से स्थगित रहेगी। वहीं वैष्णो देवी यात्रा भी शनिवार से रोक दी गई है। यूपी के लखनऊ, कानपुर और बाराबंकी समेत सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया। वाराणसी में गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने के बाद गंगा आरती की जगह बदलनी पड़ी है। झांसी में 15 मिनट की बारिश के बाद पारा 7 डिग्री तक कम हो गया। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में अपर सुबनसिरी जिले के गिबा, निलिंग, चेतम और दापोरिजो सर्किलों के 35 गांवों में फ्लैश फ्लड और लैंडस्लाइड हुई।

भटके मानसून को मनाने गधों को खिलाए गुलाब जामुन; इंद्रदेव को रिझाने के लिए भोपाल में चला अनोखा टोटका

भोपाल। राजधानी भोपाल में मानसून की बेरुखी और लगातार बारिश नहीं होने से परेशान लोगों ने इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए अनोखा टोटका अपनाया। भोपाल में शुक्रवार को कुछ लोगों ने पारंपरिक मान्यताओं के तहत गधों को गुलाब जामुन खिलाकर वर्षा की प्रार्थना की। मान्यता है कि ऐसे प्रतीकात्मक उपायों से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है। शहर में लंबे समय से अपेक्षित वर्षा नहीं होने के कारण किसान और आमजन चिंतित हैं। इस अनोखे आयोजन को देखने के लिए आसपास लोगों की भीड़ भी जुट गई। कई लोगों ने इसे परंपरा और आस्था से जुड़ा कदम बताया, जबकि कुछ ने इसे केवल प्रतीकात्मक प्रयास माना। फिलहाल सभी की नजरें आसमान पर टिकी हैं और लोग जल्द अच्छी बारिश होने की उम्मीद कर रहे हैं।

सुको -अब ट्रेन में सफर करने वालों को नहीं कह सकेंगे सेकंड क्लास यात्री, बिना टिकट मौत पर भी 8 लाख के मुआवजे का आदेश

नई दिल्ली.(आरएनएस)। भारतीय रेलवे की व्यवस्थाओं और यात्रियों के सम्मान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है. अदालत ने रेलवे द्वारा आम बोलचाल और दस्तावेजों में इस्तेमाल होने वाले सेकंड क्लास पैसेंजर (द्वितीय श्रेणी यात्री) शब्द पर गहरी आपत्ति जताई है. अदालत का मानना है कि देश के इतिहास में मौजूद वर्ग विभाजन को देखते हुए किसी भी नागरिक को इस तरह से संबोधित करना सीधे तौर पर संविधान की मूल भावना के खिलाफ है. इसके साथ ही कोर्ट ने एक अहम मामले में रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल के फैसले को पलटते हुए एक बड़ा आदेश पारित किया है. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि भविष्य में किसी भी यात्री की श्रेणी उसके द्वारा किए गए खर्च से तय नहीं होनी चाहिए. अदालत ने रेलवे को सख्त हिदायत दी है कि अब से दस्तावेजों में श्रेणी का उल्लेख यात्री के बजाय केवल उस कोच या डिब्बे के संदर्भ में ही किया जाए, जिसमें वह सफर कर रहा है. इसे रेलवे व्यवस्था में एक बड़े सुधारात्मक कदम और समानता के अधिकार के रूप में देखा जा रहा है. सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की भारी कमी पर भी चिंता व्यक्त की. अदालत ने कहा कि रेलवे मैनुअल के सुरक्षा प्रावधानों को जमीन पर सही ढंग से लागू करने के लिए कर्मचारियों की संख्या में काफी इजाफा करने की सख्त जरूरत है. देश आधुनिकीकरण की ओर बढ़ रहा है,

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना केण्ट में सुमित खोखर उम्र 28 वर्ष निवासी एम्पायर तिराहा सीएसडी काम्पलेक्श ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एमटीएस के पद पर सीएसडी डिपो में कार्यरत है रात लगभग 8-22 बजे वह सीएसडी काम्पलेक्श से अपने दोस्त परमजीत एवं परमीत के पास 20 खोली रेल्वे कालोनी में पैदल मोबाइल से बात करते हुये जा रहा था तभी पीछे से मोटर सायकल में 2 अज्ञात लड़के आकर उसके हाथ से एप्पल कम्पनी का मोबाइल कीमती लगभग 20 हजार रूपये का छीन कर पुल नम्बर 2 पार करते हुये ओमती तरफभाग गये।

हरियाली और शहर के कायाकल्प कार्यों में गति 15 सितंबर तक वृक्षारोपण का लक्ष्य पूरा करने के सख्त निर्देश

सादगी और कार्यों के प्रति निष्ठा की मिसाल,वीआईपी कल्चर छोड़ सामान्य गाड़ी से निगमायुक्त ने किया शहर का सघन दौरा

शहर में चल रहे विकास कार्यों और पर्यावरण संरक्षण को गति देने के उद्देश्य से निगमायुक्त अहिरवार ने आज किया ताबड़तोड़ दौरा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। वीआईपी गाड़ी और प्रोटोकॉल को छोड़ निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने एक सामान्य गाड़ी से अधिकारियों की टीम के साथ पूरे शहर का पांच घंटे तक सघन दौरा किया। उनकी इस सादगी और कार्य के प्रति निष्ठा और समर्पण ने पूरे प्रशासनिक अमले और आम जनमानस में एक सकारात्मक संदेश दिया है।

इस मैराथन दौरे के दौरान निगमायुक्त ने शहर के कई प्रमुख और विकासशील क्षेत्रों का जमीनी स्तर पर मुआयना किया।

निगमायुक्त ने दमोहनाका से लेकर आई.एस.बी.टी., इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग प्वाइंट, वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और गार्डन लैंड फिल साइट का बारीकी से निरीक्षण किया।

हरियाली पर जोर

उन्होंने सिविल लाइन, पचपेढ़ी और डुमना नेचर पार्क में चल रहे पौधारोपण कार्यों का जायजा लिया। पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 15 सितंबर के पहले तय लक्ष्य के अनुरूप विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने का कार्य हर हाल में पूरा कर लिया जाए।

चौराहों का कायाकल्प

शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए चौराहों के सौंदर्यीकरण का कार्य भी जोरों पर है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को काम में गुणवत्ता और तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

पौराणिक थीम पर बन रहीं वाटिकाएं

शहरवासियों को प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने के लिए नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में एक अभिनव पहल की जा रही है। शहर में कहीं %अशोक वाटिका% तो कहीं %सीता वाटिका% विकसित की जा रही है, जो आने वाले समय में शहर के प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेंगी।

निगमायुक्त ने बताया कि ?समय सीमा 15 सितंबर तय करके अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना और शहर को एक ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में यह कदम बेहद प्रशंसनीय है। %अशोक वाटिका% और %सीता वाटिका% जैसे कॉन्सेप्ट शहर के सौंदर्यीकरण में एक नया और सांस्कृतिक आयाम से जोड़ेंगे। इस अवसर पर नगर निगम के सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद की कालाबाजारी और अवैध व्यापार करने वाले दो कृषि केंद्रों पर कृषि विभाग ने कराई एफआईआर.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिले में उर्वरकों की अवैध बिक्री और अधिक दर पर खाद बेचने की प्राप्त शिकायतों पर की गई छापामार कार्यवाही में अनियमितताएं पाये जाने पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों ने दो कृषि केंद्र संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

उप संचालक कृषि उमेश कटहरे से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्रीमती मनीषा पटेल, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं उर्वरक निरीक्षक जयपाल सिंह राठौर द्वारा गत दिनों मझगवां सिहोरा स्थित %मेसर्स न्यू गोस्वामी कृषि केंद्र% का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में इस प्रतिष्ठान के संचालक राकेश गोस्वामी द्वारा लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करते हुए अनधिकृत स्रोतों से उर्वरक प्राप्त कर व्यापार करना पाया गया।

इसी प्रकार अनुविभागीय कृषि अधिकारी जबलपुर श्रीमती प्रतिभा गौर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं उर्वरक निरीक्षक श्रीमती रश्मि परसाई, कृषि विस्तार अधिकारी सोनम जैन एवं श्री प्रजापति ने किसानों से प्राप्त शिकायत पर कालादेही बरगी स्थित%जानकी कृषि केंद्र का निरीक्षण किया। यहाँ संचालक बलिराम चौकसे द्वारा किसानों को शासकीय मूल्य से अधिक दर पर खाद बेची जा रही थी। इस केंद्र पर मूल्य सूची भी प्रदर्शित नहीं थी।

निरीक्षण में सामने आया कि जानकी कृषि केंद्र पर किसानों से मनमाना दाम वसूला जा रहा था। किसान कृष्ण कुमार चढ़ार ने बताया कि उन्होंने 09 जुलाई को 10 बोरी डीएपी 1600 रुपये प्रति बोरी के हिसाब से कुल 16 हजार रुपये में खरीदी, जिसका भुगतान ऑनलाइन किया गया था। ?किसान प्रेम चंद कुर्मी ने बताया कि उनके पुत्र राज कुर्मी के नाम पर खाद का टोकन बुक था, लेकिन केंद्र संचालक ने निर्धारित मूल्य के बजाय प्रति बैग 1600 रुपये की मांग की। उप-संचालक कृषि ने बताया कि निरीक्षण में पाई गई गंभीरता को देखते हुये दोनों प्रतिष्ठिनों के संचालकों के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985% और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955% की धाराओं के तहत आज शनिवार को क्रमश: बरगी और मझगवां थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने किसानों से कृषि आदान सामग्री लेते समय बिल जरूर लेने की अपील की है।

दो राष्ट्रीय स्तर की कठिन परीक्षाओं में अभिज्ञान चतुर्वेदी की उल्लेखनीय सफलता

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के प्रतिभाशाली छात्र अभिज्ञान चतुर्वेदी ने देश की दो सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं—जेईई मैंस,एडवांस एवं नीट —में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। अभिज्ञान ने जेईई मेन में 98.34 पर्सेंटाइल प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके पश्चात उन्होंने नीट-यूजी 2026 में भी उल्लेखनीय सफलता अर्जित करते हुए सामान्य (क्र) वर्ग में लगभग 19,000 अखिल भारतीय श्रेणी तथा 527 अंक प्राप्त किए। इस प्रकार उन्होंने गणित, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान पर आधारित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा तथा जीवविज्ञान, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान पर आधारित चिकित्सा प्रवेश परीक्षा—दोनों में सफलता प्राप्त कर अपनी असाधारण बौद्धिक क्षमता और बहुआयामी तैयारी का परिचय दिया है। जेईई और नीट दोनों ही देश की सबसे कठिन एवं अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में गिनी जाती हैं। इन दोनों परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना न केवल गहन अध्ययन, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह अभिज्ञान की बहुमुखी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प तथा उत्कृष्ट शैक्षणिक क्षमता का भी प्रमाण है। अभिज्ञान चतुर्वेदी के पिता प्रोफेसर अलकेश चतुर्वेदी उच्च शिक्षा विभाग में अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग, जबलपुर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी माता डॉ. राखी चतुर्वेदी शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शाहपुरा में प्राचार्य के रूप में पदस्थ हैं।परिवार ने इस सफलता का श्रेय अभिज्ञान की नियमित मेहनत, आत्मअनुशासन, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा परिवार के सतत प्रोत्साहन को दिया है। अभिज्ञान की इस उपलब्धि पर शिक्षाविदों, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों, परिजनों तथा शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी यह सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है, जो कठिन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर निरंतर प्रयासरत हैं।

शहर व ग्रामीण कांग्रेस की संयुक्त बैठक संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।आज जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) एवं जिला शहर कांग्रेस कमेटी की संयुक्त बैठक कृष्णम रिशोड पाटन बाईपास आयोजित कर आगामी 6 एवं 7 अगस्त को आयोजित होने वाले ब्लॉक अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्षों के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। जिला कांग्रेस प्रवक्ता विवेक यादव ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी श्री हरीश चौधरी जी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी,नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार,संगठन मंत्री श्री संजय कांबले जी एवं श्री महेंद्र जोशी जी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रशिक्षण शिविर के सफल संचालन हेतु ग्रामीण एवं शहर कांग्रेस के प्रमुख पदाधिकारियों की एक कोर कमेटी का गठन भी किया गया, जो शिविर की समस्त व्यवस्थाओं का समन्वय करेगी। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष श्री संजय यादव जी, जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा जी, राजेश पटेल, रितेश गुप्ता, पार्षद श्री सतेंद्र चौबे, विवेक पटेल, मनीष चंसौरिया, धीरेन्द्र प्रताप सिंह,श्री आरिफ बेग, लक्ष्मीकांत शुक्ला, शिव नामदेव,सरबजीत सिंह रिल, मुकुल खम्परिया, सुकृति त्रिपाठी, ऋषि पटेल, मदन लारिया, अभिषेक शर्मा, डॉ हिमांशु गुप्ता श्री राजेश पटेल हर्ष वर्धन पटेल सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति अभियान 2.0 के अंतर्गत स्कूलों के आसपास तंबाकू विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल जाखड़ के नेतृत्व में आज नशा मुक्ति अभियान 2.0 के अंतर्गत थाना बेलबाग एवं घमापुर क्षेत्र में संयुक्त प्रवर्तन कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान विद्यालयों के आसपास गुटखा, बीड़ी, सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों का विक्रय करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध ष्टह्लञ्जक्र-2003 के प्रावधानों के तहत चालानी कार्रवाई की गई। यह अभियान शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक संबंधी प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से संचालित किया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जबलपुर डॉ. नवीन कोठारी, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (ह्लञ्जष्टक्र) के नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत दुबे तथा समाजिक न्याय विभाग की उप संचालक सुश्री सोनम भारवे उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने दुकानदारों को तंबाकू नियंत्रण कानून का पालन करने तथा बच्चों एवं युवाओं को तंबाकू की लत से बचाने के लिए जागरूक किया। साथ ही भविष्य में भी विद्यालयों के आसपास इस प्रकार की सघन प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही।

सिमरप्रीत सिंह की गुरुवाणी आज

जबलपुर/ गुरुद्वारा गुरुनानक दरबार गोरखपुर में आज रविवार को रात्रि 8 बजे से 9.30 बजे तक आयोजित भव्य कीर्तन दरबार में श्री हरमंदिर साहिब अमृतसर, पंजाब के विख्यात हुजूरी रागी जत्था भाई सिमरप्रीत सिंह शामिल होकर गुरुवाणी शबद कीर्तन पेश करेंगे। तदोपरांत गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा । प्रधान रजिंदर सिंह छावड़ा एवं आयोजन समिति ने साध संगत ने सभी स्वजातीय बंधुओ से अधिक से अधिक संख्या मे उपस्थित होकर धार्मिक लाभ लेने की अपील की है।

रीवा-चिरमिरी-रीवा ट्रेन को झुकेही रेलवे स्टेशन पर मिला प्रायोगिक ठहराव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रीवा-चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस त्रि-साप्ताहिक ट्रेन का झुकेही रेलवे स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव प्रदान किया गया है। यह सुविधा दिनांक 17 जुलाई 2026 से मिलने लगी हैं।

रीवा-चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का झुकेही रेलवे स्टेशन पर प्रायोगिक ठहराव की जानकारी-

गाड़ी संख्या 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस त्रि-साप्ताहिक (सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार) ट्रेन दिनांक 17 जुलाई 2026 से झुकेही रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय रात 21ः20/21ः22 बजे रुकने लगी है। गाड़ी संख्या 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस त्रि-साप्ताहिक (मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार) ट्रेन दिनांक 19 जुलाई 2026 से झुकेही रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय मध्यरात्रि 01ः45/01ः47 बजे रहेगा। यात्रीगण रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस एवं 139 रेल मदद से गाड़ी के ठहराव की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

टेस्टिंग सिम्युलेटर पर सबस्टेशन प्रोटेक्शन सिस्टम सीख रहे हैं नवागत अभियंता

एमपी ट्रांसको में वन टू वन सघन प्रशिक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा नवागत अभियंताओं को ट्रांसमिशन नेटवर्क की जटिल तकनीकों में दक्ष बनाने के लिए वन टू वन सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत कंपनी के अनुभवी अभियंता इन नव नियुक्त सहायक अभियंताओं को सीधे कार्यस्थल पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। टेस्टिंग डिवीज़न टीकमगढ़ के कार्यपालन अभियंता (टेस्टिंग) बिजक प्रिये के मार्गदर्शन मे सहायक अभियंता(टेस्टिंग) गणेश प्रसाद राय एवं सहायक अभियंता श्रीमती चंदा यादव नवागत अभियंताओं को सबस्टेशन प्रोटेक्शन सिस्टम, रिले टेस्टिंग तथा विद्युत उपकरणों की कार्यप्रणाली का गहन प्रशिक्षण दे रहे हैं। टेस्टिंग सिम्युलेटर से मिल रहा है सीधा फायदा--

प्रशिक्षण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सहायक अभियंता श्री गणेश प्रसाद राय द्वारा इन हाउस विकसित टेस्टिंग सिम्युलेटर है। इस सिम्युलेटर के माध्यम से नवागत अभियंताओं को विभिन्न प्रकार की प्रोटेक्शन रिले की सेटिंग, उनके ऑपरेटिंग लॉजिक, ट्रिपिंग सीक्वेंस तथा विभिन्न फॉल्ट परिस्थितियों में उनकी प्रतिक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन कर समझाया जा रहा है। सिम्युलेटर पर प्रशिक्षण से अभियंताओं को ट्रांसमिशन लाइनों एवं सबस्टेशनों में आने वाली परिस्थितियों का अनुभव प्राप्त हो रहा है और वे प्रोटेक्शन सिस्टम की बारीकियों को बेहतर ढंग से समझ पा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान पावर ट्रांसफार्मर, करंट ट्रांसफार्मर, पोटेंशियल ट्रांसफार्मर, सर्किट ब्रेकर, कंट्रोल एवं प्रोटेक्शन पैनलों की टेस्टिंग प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी जा रही है। साथ ही कंपनी की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के तहत सुरक्षा मानकों, फॉल्ट एनालिसिस, रिले कोऑर्डिनेशन तथा आधुनिक टेस्टिंग तकनीकों पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

अग्रवाल कॉलोनी जैन समाज ने मनाया आचार्य श्री का 58 वां दीक्षा दिवस

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। श्री 1008 पार्श्वनाथ नाथ दिगंबर जैन मंदिर अग्रवाल कॉलोनी में संत शिरोमणि गुरुवर आचार्य विद्यासागर जी महाराज का 58 वां दीक्षा दिवस उनके परम प्रभावक शिष्य 108 श्री प्रबुद्ध सागर जी महाराज के परम सानिध्य में आज अति भव्यता के साथ श्रद्धापूर्वक मनाया गया। अभिषेक पूजन उपरांत आचार्य छत्तीसी विधान एवं पूजन बाल ब्रह्मचारी रविंद्र भैया जी ने पंडित कैलाश चंद जी के साथ अत्यंत भक्ति भाव से संपन्न कराया। संगीतकार साधना जैन ने अपने मधुर स्वर व संगीत से सभी जनों को मुग्ध कर दिया । पूज्य मुनिराज ने अपनी मंगल देशना में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का पुण्य स्मरण करते हुए गुरु नाम गुरु ज्ञान सागर जी महाराज द्वारा आचार्य श्री को दीक्षा दिए जाने से लेकर समाधि तक का सजीव चित्रण अपनी ओज पूर्ण वाणी से किया। मुनिवर ने आचार्य श्री की चर्या,तप, साधना और उनके विलक्षण

गुणों को उपस्थित श्रावकों के सामने रखते हुए आवाहन किया कि जैन धर्म का पालन करना ,जैन धर्म के सिद्धांतों को अपने जीवन को उतारना, पांच पापों से बचना यही गुरुदेव आचार्य श्री के प्रति सच्ची श्रद्धा और आस्था होगी ।इस आयोजन में कॉलोनी एवं शहर के जैन बंधुओं ,माताओं बहनों और बच्चों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया ।अंत में मुनिवर प्रबुद्ध सागर जी महाराज के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए जैन मिलन समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्यों ,महिला मंडल सदस्यों,महिला परिषद सदस्यों एवं उपस्थित जन समूह ने उनके चरणों में कोटिशः नमोस्तु प्रेषित करते हुए अग्रवाल कॉलोनी में चातुर्मास करने का निवेदन किया।

भोपाल -ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की उज्जैन स्थित 10 महत्वपूर्ण एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विगत चार वर्षों यानी लगभग 1500 दिनों से बिना किसी ब्रेकडाउन के निर्बाध विद्युत पारेषण कर उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। आंधी-तूफान, तेज बारिश, आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक चुनौतियों और अन्य अप्रत्याशित परिस्थितियों के बावजूद इन लाइनों का सतत एवं विश्वसनीय संचालन जारी है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि उज्जैन की इन 10 लाइनों सहित प्रदेशभर में एमपी ट्रांसको की कुल 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें भी बीते चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित होकर प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था की मजबूती और विश्वसनीयता को प्रमाणित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मंत्रि-परिषद् बैठक और विधानसभा सत्र की तैयारियों की समीक्षा

19 जुलाई को ग्राम जगदीशपुर में होगी मंत्रि-परिषद् की बैठक

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में एक उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार, 19 जुलाई को भोपाल जिले के ग्राम जगदीशपुर के पुरातात्विक धरोहर स्थल में होने वाली मंत्रि-परिषद् की बैठक एवं सोमवार, 20 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद् की बैठक में अनुमोदन के लिए लाये जाने वाले विधेयक प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं संसदीय कार्य श्री अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एवं संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सहित सचिव, अपर सचिव एवं उप सचिव स्तर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राजधानी के बाहर हुई कैबिनेट बैठकों से प्रदेश के गौरवशाली व्यक्तित्व हुए सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि परिषद बैठकों के आयोजन के लिए नवाचार करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों में इन्हें करने की पहल की। जनकल्याण से जुड़े नीतिगत निर्णय सिर्फ मंत्रालय, भोपाल में ही नहीं प्रदेश के सुदूर अंचलों में भी लिए जाने लगे हैं। राजधानी भोपाल से लगे हुए प्राचीन महल और स्मारक वाले गांव जगदीशपुर में रविवार, 19 जुलाई को मंत्री परिषद की बैठक हो रही है। प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा।

ढाई वर्ष में हुई हैं सात बैठकें

मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में गत ढाई वर्ष में राजधानी भोपाल में होने वाली नियमित कैबिनेट बैठकों के अलावा अन्य स्थानों पर सात मंत्रि-परिषद बैठकों का नवाचार हुआ है। मध्य प्रदेश में किया गया ये नवाचार आम जनता द्वारा भी काफी सराहा गया है। भोपाल के साथ ही अब जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में मंत्रि परिषद की बैठकों की कार्यवाही हो चुकी है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर में हुई बैठक के साथ ही इन सभी बैठकों में जनकल्याण से जुड़े बहुआयामी निर्णय लिए गए हैं।

बाबा महाकाल की नगरी में भी होगी कैबिनेट बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य कैबिनेट के साथ ही कृषि कैबिनेट भी प्रदेश के प्रत्येक अंचल में करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी कैबिनेट प्रस्तावित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क का कार्य भी इससे आसान हुआ है। जहां राजधानी में ही जन हित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते रहे हैं, अब इस नवाचार के अंतर्गत प्रदेश के छोटे से ग्राम स्तर से भी जन कल्याण के महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं।

शौर्य की प्रतीक रानी दुर्गावती और सुशासन स्थापित करने वाली देवी अहिल्या बाई का पुण्य स्मरण

मंत्रि-परिषद बैठक के आयोजन के लिए साहस और शौर्य की प्रतीक रानी दुर्गावती और सुशासन और लोक कल्याण की पर्याय मानी गई देवी अहिल्याबाई की स्मृति से जुड़े स्थानों का भी ध्यान रखा गया। कैबिनेट की बैठक के आयोजन के लिए प्रदेश में ऐसे व्यक्तित्व चयनित किए गए जिनका शौर्य, सुशासन, लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष स्थान रहा है। इस कड़ी में ऐसे स्थानों में दमोह जिले का सिंग्रामपुर, खरगोन जिले का महेश्वर, नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी, छतरपुर जिले का खजुराहो और इंदौर का राजवाड़ा स्मारक आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जनजातीय संस्कृति के प्रमुख केंद्र बड़वानी जिले के नागलवाड़ी में मंत्री परिषद की बैठक का आयोजन किया। पचमढ़ी में जनप्रिय शासक रहे भभूत सिंह जी की स्मृति में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई।

महाकौशल अंचल से हुई पहल

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व ग्रहण करने के पश्चात सर्वप्रथम ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व के जीवन से नागरिकों को परिचित करवाने की पहल की जिनके बारे में प्रदेश के जन-जन को जानकारी होना चाहिए। रानी दुर्गावती के शौर्य का स्मरण करते हुए वर्ष 2024 प्रारंभ होते ही 3 जनवरी को जबलपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो और प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी में बैठकों का आयोजन हुआ है।

विधायक महेन्द्र नागेश बोले— शिक्षा ही भविष्य बदलने का सबसे मजबूत माध्यम, सरकार की योजना से छात्रों को मिलेगा लाभ

स्कूल पहुंचने की राह हुई आसान- चांदनखेड़ा के विद्यार्थियों को मिली निःशुल्क साइकिलें

गोटेगांव प्रतिनिधि- विधानसभा क्षेत्र गोटेगांव के श्रीनगर मंडल अंतर्गत ग्राम चांदनखेड़ा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को प्रदेश सरकार की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक महेन्द्र नागेश ने विद्यार्थियों को साइकिलें सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षा से जोड़ना और उन्हें विद्यालय तक पहुँचने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना है। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों का समय बचेगा, नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और वे पूरे मनोयोग से अपनी पढ़ाई कर सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ पढ़ाई कर अपने परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पटैल, पूर्व जनपद सदस्य विशाल सिंह पटैल, श्रीनगर मंडल अध्यक्ष रघुनाथ ठाकुर, सरपंच बहादुर सिंह पटैल, मंडल उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पटैल, मंडल महामंत्री फलेश कुशवाहा सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

कार्यक्रम के समापन पर विधायक महेन्द्र नागेश ने विद्यालय परिवार, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र विद्यार्थी तक पहुँचाना प्राथमिकता है। समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में जगदीशपुर में होगी कैबिनेट की बैठक

संभाग आयुक्त शर्मा और आईजी श्रीमती वर्धन ने कार्यक्रम स्थल पर देखीं व्यवस्थाएं

भोपाल (आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 19 जुलाई, रविवार को जगदीशपुर में होने वाली कैबिनेट बैठक की व्यवस्थाओं के संबंध में शनिवार को भोपाल संभाग आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा और आईजी (देहात रेंज) भोपाल श्रीमती रुचि वर्धन ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सारी व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने बैठक के सफल एवं सुचारू संपादन के संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, डीआईजी श्री राजेश सिंह चंदेल, एसपी (देहात) श्री पंकज पाण्डे सहित संबंधित विभागों के जिला एवं संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि बैठक के महत्व को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी तरह चाक-चौबंद और त्रुटिहीन होनी चाहिए। उन्होंने वहां बैठक व्यवस्था, सुरक्षा मानकों, सौंदर्यीकरण तथा ई-कैबिनेट के लिए आवश्यक आधुनिक तकनीकी प्रबंधों को देखा। श्री शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि वे दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ निर्वहन करें.

नूरानी रोशनी से गुलज़ार हुई दरगाह शरीफ़

मशीन वाले बाबा के सालाना उर्स पर देशभर के ज़ायरीनो का जमावड़ा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पीड़ित मानवता के सच्चे सेवक, समाज को हमेशा मुहब्बत का पैग़ाम देने वाले नामवर वली हज़रत बाबा सआदत हुसैन नक्शबंदी मशीन वाले बाबा साहब का सालाना उर्स रविवार को आयोजित किया गया है. ख़ादिमे दरगाह हाजी मुहम्मद शफ़ी ने बताया कि 19 जुलाई को बाद नमाज़ असर शाम 5:45 बजे घण्टाघर स्थित दरगाह शरीफ में चादर पोशी,गुल पोशी की जाएगी. उसके बाद न्याज़ होगी. और लंगर तकसीम किया जाएगा. रात दस बजे मेहफ़िले मीलाद शरीफ़ होगी. सुबह बाद नमाज़ फज्र कुल शरीफ़ की न्याज़ के साथ उर्स का समापन होगा. देशभर से आए ज़ायरीन उर्स में शिरकत करने देश के कई शहरों के अकीदतमंद जबलपुर पहुँच चुके हैं. जिनमें हर जाति धर्म के लोग शामिल हैं. उर्स के पहले ही हजारों ज़ायरीनो का जमावड़ा लगा हुआ है. रोशनी से जगमगा रही है दरगाह शरीफ़ उर्स के दौरान घण्टा घर स्थित आस्ताना और आस पास का इलाका खूबसूरत रोशनी से जगमगा रहा है. खासकर दरगाह शरीफ की मीनारें लोगों के आकर्षण का केंद्र हैं.

पदोन्नति पर एएसआई राजेश जाट का सम्मान, सहकर्मियों ने दी शुभकामनाएं

गोटेगांव प्रतिनिधि- गोटेगांव पुलिस थाना के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) कार्यालय में पदस्थ हवलदार राजेश जाट के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) पद पर पदोन्नत होने पर कार्यालय में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सहकर्मियों ने कहा कि राजेश जाट ने अपने सेवा काल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन किया है। उनकी कार्यशैली और समर्पण का ही परिणाम है कि उन्हें पदोन्नति का सम्मान प्राप्त हुआ है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया और विश्वास जताया कि वे सहायक उप निरीक्षक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए पुलिस विभाग की गरिमा को और ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। पूरे कार्यालय में खुशी का माहौल रहा तथा सभी ने उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की

नशा मुक्ति एवं साइबर क्राइम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गोटेगांव प्रतिनिधि- नगर के संस्कार भारती कैलाश नाथ तिवारी हाई स्कूल में नशा मुक्ति अभियान पर एक कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलित कर शुरुआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोटेगांव थाना में पदस्थ एसआई विजय द्विवेदी एवं एएसआई राजेश जाट का शाला परिवार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तिलक लगाकर स्वागत किया।उद्बोधन क्रम में एस आई श्री द्विवेदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा नाश की जड़ है और नशा से समाज को दूर रहना चाहिए क्योंकि नशा हर प्रकार से नुकसानदायक है साथ ही साथ उन्होंने बच्चों को इस जागरूकता के क्रम में साइबर ठगी और साइबर क्राइम के बारे में भी बच्चों को बताया और साथ कहा कि साइबर क्राइम से किस प्रकार से बच जा सकता उसी क्रम में बच्चों ने पुलिस से भी संवाद किया अतिथि उद्बोधन के बाद छात्रों ने भी अपना उद्बोधन अतिथियों के समक्ष दिया एव एवं छात्रों को अपनी प्रतिभा के अनुसार अतिथियों द्वारा सम्मानित किया। बच्चों ने नशा मुक्ति पर पेंटिंग के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया।

फिज़िक्सवाला ने नीट 2026 में छात्रों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने नीट 2026 के अपने छात्रों के परिणाम साझा किए हैं, जिसमें कई छात्रों ने नीट की ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। रविकांत दिवाकर (एआईआर 55), शिवांश आनंद (एआईआर 152), दिव्यांश जायसवाल (एआईआर 173) और साक्षी कुमारी (एआईआर 192) उन छात्रों में शामिल हैं जिन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। ये उपलब्धियां फिज़िक्सवाला के लर्निंग इकोसिस्टम के उन विकल्पों की सुविधा को दर्शाती हैं, जहां छात्र अपनी पसंद और सीखने के तरीके के अनुसार ऑनलाइन कोर्सेज या टेक-इनेबल्ड पीडब्ल्यू विद्यापीठ सेंटर्स के माध्यम से तैयारी कर बेहतर परिणाम हासिल कर रहे हैं। फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) के संस्थापक और सीईओ, अलख पांडे ने कहा, नीट 2026 की तैयारी करने वाले हर छात्र को मेरी हार्दिक बधाई। आपने इस सफर में जो मेहनत, अनुशासन और समर्पण दिखाया है, वह सराहनीय है। जिन छात्रों ने आज अपनी सफलता हासिल की है, उन्होंने इसे पूरी मेहनत से कमाया है। और जो इस बार अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए, उनसे मैं यही कहना चाहूंगा कि यह परीक्षा आपकी पूरी क्षमता या आपके भविष्य की पहचान नहीं है। आपके सामने आगे बढ़ने के कई अवसर हैं और यह सफर का केवल एक पड़ाव है। इसके अलावा, जबलपुर में छात्रों के बेहतरीन प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रियांशु नामदेव (एआईआर 1829) शहर के फिज़िक्सवालाद्ध के बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों में शामिल रहे।

रविकांत दिवाकर ने कहा, अपनी मेहनत का फल मिलता देख मुझे बहुत खुशी हो रही है। पीडब्ल्यू के बैचेज़ ने मेरी सभी उलझनों को दूर करने में मदद की। शिक्षकों ने हर कॉन्सेप्ट को इतनी अच्छी तरह समझाया कि मुझे सिर्फ फॉर्मूले याद नहीं करने पड़े, बल्कि उनके पीछे का लॉजिक भी समझ आया। जब भी किसी कठिन सवाल में अटकता था, तो वीडियो सॉल्यूशंस ने तुरंत सही तरीका समझाया, जिससे मेरा काफी समय बचा। शिवांश आनंद ने कहा, यह स्कोर हासिल करके बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि मेरी मेहनत रंग लाई।

वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक में मानसून फन सैटरडे का सफल आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक में बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए मानसून फन सैटरडे का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 18 जुलाई 2026 को दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए छाता निर्माण (अम्ब्रेला क्राफ्ट), कागज़ की नाव बनाना एवं नाव दौड़, इंद्रधनुष चित्रकला एवं रंग भरने की गतिविधियाँ, बीज रोपण, जल आधारित संवेदी गतिविधियाँ, मेंढक कूद प्रतियोगिता, वर्षा गीत एवं एक्शन राइम्स तथा वाणी एवं भाषा विकास से संबंधित विभिन्न खेल आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों के संचार कौशल, सूक्ष्म एवं स्थूल मोटर कौशल, संवेदी विकास, सामाजिक सहभागिता, रचनात्मकता तथा आत्मविश्वास का विकास करना था।

वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक की संचालिका डॉ. सोनल मेहरा ने बच्चों के साथ सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

इस आयोजन को सफल बनाने में डॉ. दिनेश गुर्जर एवं डॉ. नीति यादव का विशेष मार्गदर्शन रहा। साथ ही वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक के सभी स्पीच थेरेपिस्ट, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, विशेष शिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेष रूप से स्वाति, धरनी, सीमा, बबीता, निकेश, ज्योति, रत्ना, आस्था, राजेंद्र एवं निशा के समर्पित सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा। कार्यक्रम के समापन पर अभिभावकों ने वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं आनंददायक गतिविधियाँ बच्चों के सीखने की क्षमता, सामाजिक व्यवहार, संचार कौशल, आत्मविश्वास एवं समग्र व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक ने भविष्य में भी बच्चों के समग्र विकास के लिए ऐसे नवाचारपूर्ण, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।।।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण

अमेरिका में जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो।

जिस समय भारत में नागरिकता के प्रमाण-पत्र को लेकर जानबूझकर अनिश्चय पैदा कर दिया गया है, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने दृढ़ता का प्रशंसनीय उदाहरण पेश किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नागरिकता के इस नियम को बदलने का प्रयास किया कि अमेरिकी भूमि पर जन्मा हर व्यक्ति वहां का नैसर्गिक नागरिक है। सुप्रीम कोर्ट ने अब ट्रंप के इस आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता की अवधारणा को डेढ़ सौ साल पहले संवैधानिक रूप से स्पष्ट कर दिया गया था, जिसे मनमाने ढंग से नहीं बदला जा सकता। हालांकि इस प्रश्न पर अमेरिका में उभरे तीखे राजनीतिक मतभेद और सामाजिक ध्रुवीकरण की छाया कोर्ट पर भी पड़ी। उसने 5-4 के बहुमत से ये फैसला सुनाया।

यानी चार जजों ने मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के विदेशी विद्वेष से भरे एजेंडे के तहत लिए ट्रंप के निर्णय का पक्ष लिया। फिर भी इस निर्णय ने अमेरिकी न्यायपालिका में मौजूद स्वतंत्र चिंतन और संवैधानिक भावना के पक्ष में खड़े होने की भावना की पुष्टि की है। जजों के बहुमत ने महसूस किया कि कोई संवैधानिक व्यवस्था उस स्थिति में स्थिर ढंग से नहीं चल सकती, अगर गणराज्य की मूलभूत इकाई- नागरिक- की परिभाषा मनमाने ढंग से तय की जाती हो। इसलिए उसने 1868 में पारित 14वें संविधान की भावना के मुताबिक नागरिकता के नियमों में हेरफेर की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

संयोगवश ये फैसला उस समय आया है, जब भारत में भी नागरिकता की निर्धारित परिपाटी को मनमाने नियमों के जरिए चुनौती दी गई है।

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे।

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

भौगोलिकसंदर्भ

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

गौरवपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा करने का अवसर

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा। राजस्थान विधानसभा के 75 साल पर अमृत महोत्सव का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि दुनिया में हमारे देष की लोकतंत्र की जड़े सबसे गहरी होने के साथ ही आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से भारत दुनिया के देषों के सामने एक मिसाल है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल से जिस तरह से 15 जुलाई, 2026 को आयोजित अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में विधानसभा के नए पुराने सदस्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने और एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराया है वहीं उच्च सदन के सभापति उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र और समापन सत्र में सहभागी बनाकर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया है। अमृत महोत्सव में राजस्थान विधानसभा के 410 नए पुराने सदस्यों ने हिस्सा लिया वहीं 6 बार या इससे अधिक समय तक सदस्य रहे सम्माननीयों का सम्मान कर लोकतांत्रिक मूल्यों का ही स्वागत सम्मान किया गया है। आज जिस तरह से विधायिका की कम बैठकों, सत्रों के दौरान हंगामें के हालात और मतभेद और मनभेद के हालातों में राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव केवल एक आयोजन ना होकर नए विधायकों के लिए प्रेरणास्पद भी हो गया है। अमृत महोत्सव के दौरान राजस्थान में सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनकारी 24 कानूनों पर चर्चा भी की गई तो नए पुराने सदस्यों के अनुभवों को साझा करने का भी बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सका है। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का रिमार्केवल प्रतिक्रिया दी कि चुनाव भले ही वोट के आधार पर जीते जाते हैं पर जनता का दिल तो लोकहितकारी कार्य करके ही जीता जा सकता है।

चीन की धार्मिक स्वतंत्रता पर पाबंदियों पर मुस्लिम और ईसाई बहुल देश खामोश क्यों ?

चीन आज दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो आर्थिक, व्यापारिक, वैज्ञानिक और तकनीकी के हर क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका को सीधी चुनौती दे रहा है । यही कारण है कि अमेरिका सहित अधिकांश देश चीन के आंतरिक और बाह्य मामलों में हस्तक्षेप करने से बचते हैं । वर्तमान में चीन न केवल दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, बल्कि वह विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी नियंत्रित करता है । भारत से मात्र दो वर्ष बाद स्वतंत्र हुआ चीन, आज विकास की दौड़ में भारत से कहीं आगे निकल चुका है । स्वतंत्रता के समय दोनों देशों की आर्थिक स्थिति लगभग समान थी, किंतु चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रारंभ से ही एक ऐसा सख्त और केंद्रीकृत विकास मॉडल अपनाया, जिसे सत्ता और विपक्ष दोनों को मानना अनिवार्य था । इसी बाज़ारवादी और विस्तारवादी नीति के बल पर चीन आज वैश्विक मुनाफे का केंद्र बन चुका है और अमेरिका के समकक्ष खड़ा दिखाई देता है । चीन की शासन व्यवस्था विश्व में अनोखी है । वहां संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के लिए नास्तिक होना अनिवार्य है । यद्यपि नागरिकों को सीमित व्यक्तिगत स्वतंत्रता दी गई है, लेकिन शासन पूरी तरह कम्युनिस्ट पार्टी के कठोर कानूनों के अधीन चलता है । चीनी संविधान के अनुसार केवल पांच धर्मों को मान्यता प्राप्त है और अन्य समुदायों को उन्हीं के अंतर्गत अपने धार्मिक आचरण को ढालना अनिवार्य होता है । चीन में रहने वाले मुस्लिम, ईसाई या अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को सीसीपी के नियमों के अनुसार ही अपने धर्म का पालन करना पड़ता है । सरकार के विरुद्ध विरोध करना वहां लगभग आत्मघाती कदम माना जाता है । आधुनिक सोशल मीडिया युग में जहां दुनिया के हर कोने की खबरें पल-पल सामने आती हैं, वहीं चीन से बिना सरकारी अनुमति कोई समाचार बाहर आना अत्यंत दुर्लभ है । चीन में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है । मुस्लिम पुरुष दाढ़ी नहीं रख सकते, महिलाएं बुर्का नहीं पहन सकतीं, मस्जिदों पर गुंबद और धार्मिक प्रतीकों पर रोक है तथा धार्मिक शिक्षा पर प्रतिबंध है । इसी प्रकार ईसाई समुदाय को भी क्रॉस पहनने, स्वतंत्र रूप से बिशप नियुक्त करने और बिना पंजीकरण धार्मिक गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं है ।

बौद्ध धर्म के प्रति भी चीन का रवैया दमनकारी रहा है, विशेषकर तिब्बत और दलाई लामा के संदर्भ में । इन तमाम पाबंदियों के बावजूद न तो कोई मुस्लिम बहुल देश और न ही ईसाई बहुल राष्ट्र चीन के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते है । पाकिस्तान, जो स्वयं को दुनिया भर के मुसलमानों का रक्षक बताता है, उसने भी चीन में रह रहे उइगर मुसलमानों की स्थिति पर कभी विरोध दर्ज नहीं कराया । आर्थिक और कर्ज निर्भरता के कारण अनेक देश चीन के सामने मौन साधे हुए हैं । अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, चीन की जेलों में इस समय बीस लाख से अधिक मुस्लिम अल्पसंख्यक विभिन्न आरोपों में बंद हैं। इसके बावजूद न कोई वैश्विक मानवाधिकार संगठन निर्णायक कदम उठाता है और न ही मुस्लिम नेतृत्व खुलकर विरोध करता है । विडंबना यह है कि चीन की दमनकारी नीतियों को वहां की बहुसंख्यक जनता का समर्थन प्राप्त है । यही कारण है कि वहां कम्युनिस्ट शासन के विरुद्ध कोई व्यापक आंदोलन नहीं दिखाई देता । चीन आज दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां कठोर नियंत्रण के कारण आतंकी संगठनों को पनपने का अवसर नहीं मिला, जबकि अमेरिका जैसे देश भी आतंकवाद से अछूते नहीं रहे । चीन में धार्मिक स्वतंत्रता पर लगाए गए प्रतिबंध स्पष्ट रूप से मानवाधिकारों के विरुद्ध हैं, लेकिन वैश्विक शक्तियों और धार्मिक ठेकेदारों की चुप्पी यह दर्शाती है कि महाशक्ति बनने के बाद नैतिकता और मानवता भी कूटनीति के सामने गौण हो जाती है।

अरविंद रावल

गोपाल कॉलोनी, झाबुआ (म.प्र.)

30 जुलाई से शुरू होगा श्रावण, शिवलिंग पर भूलकर भी न चढ़ाएं यह चीजें, जानें पूजा करने की पूरी विधि

भगवान शिव का प्रिय महीना श्रावण इस वर्ष 30 जुलाई 2026 से शुरू हो रहा है। श्रावण का पूरा महीना शिवभक्तों के लिए बेहद खास माना जाता है। इस दौरान भक्त रोजाना भगवान शिव की पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और व्रत करते हैं। खासतौर पर श्रावण के सोमवार का धार्मिक महत्व अधिक होता है।

मान्यता है कि भगवान शिव अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा से जल्द प्रसन्न हो जाते हैं। हालांकि, शिवलिंग पर कुछ चीजें चढ़ाना शुभ माना जाता है, जबकि कुछ वस्तुएं अर्पित करना धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वर्जित माना गया है।

श्रावण में शिवलिंग पर जरूर चढ़ाएं ये चीजें..

दूध और गंगाजल से करें रुद्राभिषेक

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव का दूध और गंगाजल से अभिषेक करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इससे सुख-समृद्धि, मान-सम्मान और वैभव की प्राप्ति होती है। बेलपत्र-बेलपत्र भगवान शिव को सबसे प्रिय माना जाता है। मान्यता है कि शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होकर भक्त की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। बेलपत्र के बिना शिव पूजा अधूरी मानी जाती है। धतूरा धतूरा भी भगवान शिव का प्रिय प्रसाद माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि शिवलिंग पर धतूरा अर्पित करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है।

हमें हक़ नहीं: शिक्षा में किसी का भविष्य खरीदने का

पूनम भाटिया

सोनम वांगचुक इस समय दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित किया है। वे जवाबदेही तय करने और शिक्षा व्यवस्था में ठोस सुधारों की माँग कर रहे हैं।

अभी तक उपलब्ध विश्वसनीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने और पुन: परीक्षा की घोषणा के बाद 37 दिनों के भीतर कम-से-कम 12 अभ्यर्थियों की आत्महत्या के मामले सामने आए। यह संख्या सरकारी आँकड़ा नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों में हुई घटनाओं का समाचार-पत्रों द्वारा किया गया संकलन है।

द इंडियन एक्सप्रेस की 2024 की जाँच के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में 15 राज्यों में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक के 41 दस्तावेज़ित मामले सामने आए, जिनसे लगभग 1.4 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए और 1.04 लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया बाधित हुई। यदि इसमें 2025-26 की प्रमुख घटनाएँ भी जोड़ दी जाएँ, तो एनईईटी-यूजी 2026, यूजीसी-नेट 2024, यूपी पुलिस कांस्टेबल 2024, यूपीपीएससी आरओ/एआरओ 2024, यूकेएसएसएससी और एचपीएससी सहायक प्रोफेसर सहित कई परीक्षाएँ रद्द या पुन: आयोजित करनी पड़ीं। कुछ मीडिया विश्लेषणों के अनुसार, पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक बड़े पेपर लीक के मामलों से लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए। एक राष्ट्र तभी आगे बढ़ता है, जब उसकी शिक्षा व्यवस्था भरोसेमंद, सुलभ और न्यायपूर्ण हो। यदि परीक्षा बिकने लगे, अवसर छिनने लगें और मेहनत का मूल्य कम हो जाए, तो समाज की सबसे बड़ी पूँजी, उसका युवा निराशा का शिकार हो जाता है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सपनों, आत्मसम्मान और भविष्य की नींव है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दायित्व निष्पक्षता और समान अवसर सुनिश्चित करना है। आज देश का युवा दोहरी मार झेल रहा है। एक ओर बढ़ती बेरोज़गारी है, दूसरी ओर नौकरी और उच्च शिक्षा तक पहुँचने का रास्ता लगातार कठिन होता जा रहा है। लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं और परिवार अपनी जमा-पूँजी कोचिंग तथा परीक्षा की तैयारी पर खर्च कर देता है। लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में आ जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान केवल परिणाम का नहीं, बल्कि व्यवस्था पर से विश्वास का होता है।

वर्ष 2024-25 में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की खुली बेरोज़गारी दर लगभग 11 से 12 प्रतिशत के बीच मानी गई। ऐसे समय में प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं की हर घटना युवाओं की निराशा को और गहरा करती है। निजी कोचिंग, टेस्ट सीरीज़ और अध्ययन सामग्री पर एक परिवार को साल भर में लगभग पचास हजार से दो लाख रुपये तक खर्च करना पड़ता है, जो मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लिए भारी बोझ है।

25 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास, 121 दिन तक नहीं होंगे विवाह-गृह प्रवेश; जानें जरूरी तिथियां

हिंदू धर्म में देवशयनी एकादशी से चातुर्मास की शुरुआत होती है। इस साल 25 जुलाई 2026 को देवशयनी एकादशी के साथ चातुर्मास प्रारंभ होगा, जो 20 नवंबर 2026 को देवप्रबोधिनी एकादशी तक चलेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दौरान भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव संभालते हैं।

चातुर्मास के चार महीनों में पूजा-पाठ, जप, तप, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व माना जाता है। वहीं, विवाह, गृह प्रवेश, उपनयन जैसे मांगलिक कार्य इस अवधि में नहीं किए जाते।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बार देवशयनी एकादशी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस शुभ अवसर पर मंदिरों में भगवान विष्णु का विशेष पूजन, विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ और भजन-कीर्तन आयोजित किए जाएंगे।

क्यों खास होता है चातुर्मास?

धार्मिक मान्यता है कि भगवान विष्णु ने राजा बलि को दिए गए वचन के कारण चार महीने के लिए पाताल लोक में निवास किया था। इसी अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। इस दौरान साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर प्रवचन, साधना और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं।

इस विशाल पथ पर

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक़्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ-

मेरे पास दिन-रात रहते हैं महाप्रभु परमेश्वर,

यह बात याद कर हृदय में पूजूँगा उन्हें निरंतर।

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था। जब मैं गाँव के स्कूल मंर पढ़ती थी, भक्त सालबेग की आहे नीड़ो शोइड़ो प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथ जी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद महाप्रसाद है, उनका मंदिर बड़ा मंदिर है, उनका पथ विशाल पथ (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र महोदधि है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं?

क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर विशाल पथ (बोड़ो दांडो) पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है।

बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ! राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना - यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर में दिल्ली के हौजखास में बने जगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए। आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे।

पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन के लिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे भाव के ठाकुर हैं। मेरा भाव कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर। कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ी रुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई।

पथ के दोनों किनारों पर खड़े बच्चों, महिलाओं, युवा-छात्रों और बुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहीं रह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश। गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दु:ख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु। देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज अधिकतम समय आप धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से राहत मिलेगी।

वृषभ राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। आज सकारात्मक रहने से आप अपने कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम देंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। नई योजनाएं और प्रोजेक्ट शुरू करने का अनुकूल समय है। आज आप किसी बात को लेकर उलझन में रहेंगे, जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर भी करेंगे। आपको राहत मिलेगी।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिये आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही किसी समस्या का आज समाधान मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान रहेगा,

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज प्रॉपर्टी अथवा वाहन की खरीदारी से संबंधित कुछ योजनाएं बनाएंगे। आज बच्चों की पढ़ाई या करियर से जुड़ी समस्या का समाधान मिलने से सुकून मिलेगा। इस समय की गई यात्रा आज आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। दिन की शुरुआत अच्छे मूड से होगी। कुछ दिनों से चल रही समस्याएं आज माता-पिता की सलाह से खत्म होंगी।

धनु राशि:मकर राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। इस राशि के विवाह योग्य जातकों के लिए आज शादी का प्रस्ताव आ सकता है।

मकर राशि:मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू कामकाज में लगेगा। आज बिजनेस का फैसला जल्दबाजी में न लें।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। आज निवेश करते समय किसी अनुभवी की सलाह लेना आपको भविष्य में लाभ दे सकता है।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज परिवार का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वे आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। सोशल मीडिया और पब्लिक रिलेशन को बनाए रखें।

सीनियर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और सरकार पर असहमति जताने के संवैधानिक अधिकार को दबाने का आरोप लगाया। लंबी भूख हड़ताल के बाद स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के चलते वांगचुक को जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन स्थल से सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। एक्स पर एक पोस्ट में खेड़ा ने कहा कि हमारा संविधान असहमति जताने के अधिकार की गारंटी देता है। गृह मंत्रालय इसे रोकने पर आमादा दिखता है।

नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का अधिकार नहीं- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ङ्क्र) विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया है कि किसी भी व्यक्ति की नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चुनाव आयोग का काम केवल मतदाता सूची का नियंत्रण और देखरेख करना है, नागरिकता छीनना या देना नहीं। इसलिए अगर किसी का नाम मतदाता सूची में नहीं है, तो इसका मतलब यह कतई नहीं है कि उसकी भारतीय नागरिकता अपने आप खत्म हो गई है। इस टिप्पणी के साथ ही कोर्ट ने उन लोगों को बड़ी राहत दी है जिनके नाम इस विशेष अभियान के तहत सूची से हटाए गए हैं।

संबंधित मंत्रालय तय करेगा नागरिकता, कानून में कोई भ्रम नहीं

मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्वढ्ढ) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की तीन सदस्यीय विशेष पीठ इस संवेदनशील मामले की सुनवाई कर रही है। बेंच में शामिल जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने बिहार स्ङ्क्र मामले का हवाला देते हुए कहा कि कानून की स्थिति पूरी तरह साफ है। अगर कोई अपीलीय ट्रिब्यूनल किसी व्यक्ति का नाम स्ङ्क्र सूची में शामिल न करने का फैसला सुनाता है, तो भारतीय निर्वाचन आयोग (श्वष्टढ्ढ) को नागरिकता के निर्धारण के लिए उस मामले को सीधे संबंधित केंद्रीय मंत्रालय के पास भेजना होगा, क्योंकि आयोग के पास इसका अधिकार ही नहीं है।

33.5 लाख अपीलें लंबित, राशन और सरकारी योजनाओं से किए जा रहे बाहर

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने कोर्ट के सामने बेहद चौंकाने वाले आंकड़े और जमीनी हकीकत रखी। उन्होंने दलील दी कि राज्य में करीब 33.5 लाख अपीलें अभी भी लंबित पड़ी हैं। अपीलों के इस तरह अटके रहने के कारण सबसे बड़ा नुकसान गरीब जनता को हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से नाम हटने या अपील पेंडिंग होने के बहाने लोगों को राशन (क्क्षस्), अन्नपूर्णा योजना और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी सुविधाओं के लाभ से जबरन वंचित किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह गलत है।

वैध पासपोर्ट को माना जाए नागरिकता का पक्का सबूत

वरिष्ठ वकील शंकरनारायण ने ट्रिब्यूनलों के काम करने के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाए और कहा कि व्यवस्था में भारी देरी और असंगतियां हैं। उन्होंने कोर्ट को सुझाव दिया कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ट्रिब्यूनलों के सभी आदेशों को आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ी मांग रखते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया वैध पासपोर्ट मौजूद है, तो उसे उसकी नागरिकता का पर्याप्त और पक्का प्रमाण माना जाना चाहिए।

विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग, 25 अगस्त को अगली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट इस समय पश्चिम बंगाल के इस स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ङ्क्र) से जुड़े विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार कर रहा है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के अनुसार फॉर्म-6 और फॉर्म-7 के तहत दाखिल, स्वीकार या खारिज किए गए आवेदनों का पूरा डेटा जनता के सामने रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिका पर आगे की विस्तृत सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी।

'डोंट गो बॉम्ब है', अहमदाबाद जा रही इंडिगो फ्लाइट के टॉयलेट में मिली पर्ची, सघन जांच में सामने आया सच

बेंगलुरु ,(आरएनएस)। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस वक्त भारी हड़कंप मच गया, जब अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान में बम रखे होने की खबर सामने आई। यह दहशत विमान के शौचालय में मिली एक हस्तलिखित पर्ची के कारण फैली, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की सांसें फूल गईं। पुलिस ने एयरलाइन की शिकायत पर इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज कर लिया है और उस अज्ञात शख्स की तलाश तेज कर दी है जिसने इस झूठी धमकी से यात्रियों की जान सांसत में डाल दी थी।उड़ान से 25 मिनट पहले टॉयलेट में मिली पर्ची यह पूरी घटना गुरुवार की है, जब इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-6423 रात आठ बजे बेंगलुरु से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ हरियाणा के जींद ज़िले के जींद रेलवे स्टेशन पर भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के समारोह के दौरान उसका निरीक्षण किया।

ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फ़ोर्स की प्रमुख मल्टीनेशनल एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज़ %पिच ब्लैक 2026% में हिस्सा लेने के लिए पहुंची भारतीय वायु सेना की टुकड़ी।

पटेल इंजीनियरिंग ने भारत में सिंचाई के लिए सबसे लंबी सुरंग बनाने का ऐतिहासिक काम पूरा किया; मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निर्माण स्थल के उद्घाटन के लिए पहुँचे

इस महत्वपूर्ण परियोजना से लगभग 2.45 लाख हेक्टेयर ज़मीन के लिए पक्के तौर पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी और इससे लाखों किसानों को फायदा होगा इस सुरंग से पानी की निश्चित आपूर्ति को मजबूती मिलेगी और पूर्वी मध्य प्रदेश में खेती के स्थायी विकास को बढ़ावा मिलेगा

भोपाल, -कटनी -मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव आज भारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद स्लीमनाबाद कैरियर कैनाल प्रोजेक्ट के उद्घाटन के लिए पहुँचे। पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा बनाई गई लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग राज्य की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इस परियोजना से प्रदेश के चार जिलों में लगभग 2.45 लाख हेक्टेयर जमीन के लिए पक्के तौर पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे पानी की निश्चित आपूर्ति के साथ-साथ खेती के विकास में भी मदद मिलेगी।

स्लीमनाबाद कैरियर कैनाल असल में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही बरगी डायवर्जन परियोजना का हिस्सा है। नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम से 197 किलोमीटर लंबी ट्रांस-वैली नहर के ज़रिए पानी पहुँचाने के लिए तैयार की गई इस परियोजना से पूरे मध्य प्रदेश में लगभग 245,000 हेक्टेयर ज़मीन पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, साथ ही जबलपुर और कटनी में घरेलू और कल-कारखानों में उपयोग के लिए हर दिन 284 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति भी संभव होगी। इस पूरी परियोजना की मुख्य कड़ी लगभग 12 किमी लंबी सुरंग है, जिसे पटेल इंजीनियरिंग की अगुवाई वाले कंसोर्टियम ने तैयार किया है। यह सिंचाई के लिए सबसे लंबी सुरंग है।

इस सुरंग को बनाने का काम भारत में सिंचाई के लिए तैयार किए जाने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि जमीन के अंदर की परिस्थितियां आसान नहीं थी। इसका रास्ता बहुत अधिक सघना मिट्टी, गाद, जलोढ़, मौसम की मार झेल चुके चूना-पत्थर और

डोलोमाइट के अलावा स्लेट, बहुत बड़े आकार के चूना पत्थर और नए मार्बल से होकर गुजरा, जिसकी चट्टानों की मजबूती 180 स्रूक्क्व तक थी। इसके अलावा, सुरंग के 2.7 किमी तक के शुरुआती हिस्से में छत से महज 2-3 मीटर ऊपर भूमिगत जल की परत मौजूद थी जिससे पानी रिसने की बहुत अधिक संभावना थी, जबकि पूरी खुदाई के दौरान जल स्तर सुरंग से ऊपर ही बना रहा।

अवैध बांग्लादेशी-रोहिंग्या नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, पांच राज्यों में छापे; नकदी और सोना बरामद

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को भारत में बसाने से जुड़े कथित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में एक साथ छापेमारी की। एजेंसी का दावा है कि यह नेटवर्क विदेशों से प्राप्त धन का इस्तेमाल कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, अवैध घुसपैठियों को देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने और उनकी आजीविका की व्यवस्था करने में कर रहा था। जांच एजेंसी को इस नेटवर्क के तार आतंकी फंडिंग से जुड़े होने का भी संदेह है, जिसकी जांच जारी है।

ईडी के अनुसार, छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल के कलिकापुर स्थित हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम सोने के सिक्के बरामद किए गए। धनशोधन निवारण अधिनियम (क्करु) के तहत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर (देवबंद), दिल्ली के जामिया नगर, हरियाणा के बल्लभगढ़, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और मुर्शिदाबाद तथा महाराष्ट्र के रायगढ़ सहित 13 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान ईडी ने कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, हरियाणा के रा%यपाल असीम कुमार घोष, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ हरियाणा के जींद ज़िले में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करने के समारोह के दौरान।

संसद के मानसून-सत्र में 7 विधेयकों पर होगी चर्चा, परिसीमन और महिला आरक्षण का जिक्र नहीं

नई दिल्ली(आरएनएस)। संसद का मानसून सत्र सोमवार 20 जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसको लेकर केंद्र सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक की सुगबुगाहट के बीच केंद्र ने जो विधायी एजेंडा जारी किया है, उसमें 7 विधेयकों को विचार के लिए शामिल किया गया है। एजेंडे में महिला आरक्षण, परिसीमन से संबंधित बहुचर्चित संविधान संशोधन विधेयक, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को पद से हटाने का प्रस्ताव करने वाला 130वां संवैधानिक संशोधन विधेयक इसमें शामिल नहीं है।

इस बार का मानसून सत्र कुल 19 दिन चलेगा और 7 अगस्त को समाप्त होगा। हालांकि, इसके आगे बढ़ने की भी संभावना जताई जा रही है।

बताया जार हा है कि संयुक्त समिति शुक्रवार को 130वें संशोधन विधेयक पर चर्चा करेगी और अंतिम रिपोर्ट को अपनाएगी, जिसे बाद में सत्र के दौरान संसद में प्रस्तुत किया जा सकता है।

विधायी एजेंडा अभी अधूरा बताया जा रहा है। सरकार के पास सत्र बढ़ाने और अन्य विधेयक पेश करने की छूट है।

ससद में 7 निर्धारित विधेयक पेश किए जाएंगे, जिसमें विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक मार्च में लोकसभा में पेश किया जा चुका है

गुजरात एटीएस का बड़ा एक्शन : जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 5 और संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, स्लीपर सेल नेटवर्क की जांच तेज

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित तौर पर जुड़े पांच और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनकी गिरफ्तारी राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान के दौरान की गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन क. राडिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है।

एटीएस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए इन पांचों संदिग्धों के तार पिछले महीने गिरफ्तार किए गए आठ अन्य आरोपियों से जुड़े पाए गए हैं। जांच एजेंसियां इनकी भूमिका और आपसी संपर्कों की गहन जांच कर रही हैं। गुजरात ्रञ्जस् का कहना है कि जैश-ए-मोहम्मद लंबे समय से गुजरात में अपना नेटवर्क और कथित स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या राज्य के कुछ लोगों को संगठन से जोड़कर उसकी गतिविधियों को विस्तार देने का प्रयास किया गया। एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक हर्ष उपाध्याय ने बताया कि पहले गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर इन पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से मिले साक्ष्यों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में जवानों से राइफल छीनने की कोशिश, युवक की मौत; 3 पुलिसकर्मी घायल

डोडा ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (स्ह्रत्र) के जवानों से सर्विस राइफल छीनने की कथित कोशिश के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन एसओजी जवान घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया गया है। हालांकि, उसका इस मामले से क्या संबंध है, इसकी जांच की जा रही है और अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात एसओजी की एक टीम को ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम भद्रवाह शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर जाई-गंडोह मार्ग पर घात लगाकर निगरानी कर रही थी। रात करीब 11ः30 बजे एसओजी जवानों ने एक युवक को रोकने का प्रयास किया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव (संगठन-कर्नाटक) रणदीप सिंह सुरजेवाला, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

हरियाणा के गुरुग्राम ज़िले में द्वारका एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे के बाद एक क्षतिग्रस्त कैब और ई-रिक्शा। टक्कर के दौरान ई-रिक्शा में ले जाई जा रही लोहे की रॉड कैब ड्राइवर के शरीर में घुस गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

भारत नहीं पहुंचा कोर्ट, फिर भी भरना पड़ रहा उसका खर्च! सिंधु जल विवाद में पाकिस्तान पर बढ़ा करोड़ों का बोझ

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जारी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का कारण अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की वह प्रक्रिया है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति के बावजूद पाकिस्तान को न केवल अपना, बल्कि भारत के हिस्से का खर्च भी वहन करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक पाकिस्तान इस प्रक्रिया पर 6 लाख डॉलर (करीब 5.77 करोड़ रुपये) से अधिक खर्च कर चुका है।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी, जिसके तहत दोनों देशों के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल बंटवारे के नियम तय किए गए। विवाद की शुरुआत 2016 में हुई, जब भारत ने जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत परियोजना पर काम तेज किया और चिनाब नदी पर रैटल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की घोषणा की। पाकिस्तान ने इन परियोजनाओं के डिजाइन पर आपत्ति जताते हुए दावा किया कि वे संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं।भारत का रुख था कि ऐसे तकनीकी विवाद का समाधान संधि के तहत नियुक्त न्यूट्रल एक्सपर्ट के जरिए होना चाहिए, जबकि पाकिस्तान ने मामला सीधे पर्मानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (क्कष्ट) में पहुंचा दिया। इसके बाद दोनों प्रक्रियाएं समानांतर रूप से चलने लगीं, जिसका भारत ने लगातार विरोध किया।

भारत ने क्यों बनाया दूरी?

भारत का कहना है कि एक ही विवाद पर दो समानांतर प्रक्रियाएं नहीं चल सकतीं और क्कष्ट को इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है। इसी वजह से भारत ने 2023 से क्कष्ट की कार्यवाही में हिस्सा लेना बंद कर दिया। इसके बाद 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला किया और न्यूट्रल एक्सपर्ट की प्रक्रिया से भी दूरी बना ली। भारत का स्पष्ट रुख है कि वह फिलहाल इस विवाद से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं में शामिल नहीं होगा। भारत के बहिष्कार के बावजूद पाकिस्तान ने में सुनवाई जारी रखी। जून 2025 में अदालत ने खुद को इस मामले की सुनवाई के लिए सक्षम बताया और कहा कि सिंधु जल संधि को एकतरफा स्थगित नहीं किया जा सकता। इसके बाद भी भारत ने किसी भी सुनवाई में भाग नहीं लिया।

मशहूर टीवी सीरियल %तारक मेहता का उल्टा चश्मा% एक बार फिर अपनी कास्टिंग को लेकर चर्चा में है। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में दावा किया जा रहा था कि दिलीप जोशी यानी कि जेठालाल 18 साल बाद यह शो छोड़ रहे हैं। शो के निर्माता असित मोदी पहले ही इन खबरों को गलत बता चुके हैं और अब खुद दिलीप जोशी ने सामने आकर इन अफवाहों का सच बताया है। दिलीप जोशी ने एक इंटरव्यू में इन झूठी खबरों पर खुलकर बात की।

मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना चाहिए, अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के सफर का बताया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चा में हैं।

अंजना सुखानी ने कहा, मेरे लिए मैं वापस आऊंगा बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। दुनियाभर के कलाकार उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा, खासकर नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ के साथ। नसीर साहब के साथ काम करना किसी लाइव मास्टरक्लास जैसा अनुभव है। उन्हें देखकर ही अभिनय की बहुत सारी चीजें सीखी जा सकती हैं। फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हालांकि, ट्रेलर लॉन्च और शूटिंग के दौरान कुछ मुलाकातें जरूर हुईं। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जब

मैंने दोनों का पहला सीन देखा तो मैं काफी प्रभावित हुई। वे फिल्म में नई ऊर्जा लेकर आए हैं।

आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं।

मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। टेक्नीशियन, लाइटिंग टीम, स्पॉट बॉय और प्रोडक्शन से जुड़े सभी लोगों को काम मिलता है। मेरी दर्शकों से अपील है कि वे फिल्मों को थिएटर में जाकर जरूर देखें। अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए अंजना ने कहा, यह मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं था। करियर शुरू होने के कुछ सालों बाद मुझे अमिताभ बच्चन के साथ विज्ञापन करने का मौका मिला और बाद में राम गोपाल वर्मा की फिल्म डिपार्टमेंट में भी उनके साथ काम किया।

फिल्म भाई तेरा स्टार है से पहला गाना नाच ले लालारिया हुआ जारी, जोशीला संगीत सुन झूम उठेगा दिल

राघव जुयाल बतौर मुख्य अभिनेता अपनी पहली फिल्म भाई तेरा स्टार है लेकर आ रहे हैं। विवेक बी. अग्रवाल द्वारा निर्देशित यह एक कॉमेडी ड्रामा है। इसमें वह अजय सिंह नाम के किरदार में हैं, जो दिन-रात सिर्फ हीरो बनने का सपना देखता है। फिल्म का टीजर पहले ही जारी होकर लोगों के बीच उत्सुकता को बढ़ा चुका है। अब निर्माताओं ने इसका पहला गाना नाच ले लालारिया जारी किया है, जो जोशीले और धमाकेदार संगीत का मिश्रण है। यूट्यूब पर आए नाच ले लालारिया गाने को जैस्मीन सैंडलस और सुधीर यदुवंशी ने अपनी आवाज दी है।

इसके बोल कुमार ने लिखे हैं और अमित त्रिवेदी ने संगीत तैयार करके इसे कंपोज किया है। ये गाना पंजाबी बोल और धुन से भरपूर है,

विक्रांत मैसी की सादगी पर फिदा हुई महिमा मकवाना, बोलीं-आज भी हैं उतने ही दयालु

अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री महिमा मकवाना जल्द ही आगामी फिल्म मुसाफिर कैफे में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान महिमा मकवाना ने अपने को-स्टार की तारीफ करते हुए बताया कि करियर में बड़ी सफलता हासिल करने के बावजूद विक्रांत वही इंसान हैं जिन्हें वह सालों पहले जानती थीं। अभिनेत्री ने बताया कि विक्रांत के साथ उनकी पहली मुलाकात टीवी सीरियल बालिका वधू के सेट पर हुई थी, जब वह महज 10 साल की थीं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा, इतने वर्षों के बाद भी विक्रांत में कोई बदलाव नहीं आया। वे सबसे दयालु, मेहनती और सच्चे इंसान है। ये खूबियां उनके काम में दिखती हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना ने यह भी कहा कि मुसाफिर कैफे में विक्रांत मैसी के साथ दोबारा काम करना एक शानदार अनुभव रहा है। वहीं, विक्रांत ने भी महिमा मकवाना के साथ काम करने को शानदार अनुभव बताया।

महिमा मकवाना ने टेलीविजन शो बालिका वधू में युवा गौरी सिंह का रोल किया था। उनके कैरेक्टर को एक छोटे से कैमियो के जरिए इंट्रोड्यूस किया

गया था, जिसमें एक युवा लड़की थी जो जग्या (अविनाश मुखर्जी) से शादी करने वाली थी, उस समय जब आनंदी मेंटल हेल्थ की दिक्कतों से जूझ रही थी।

दूसरी तरफ, विक्रांत मैसी ने पॉपुलर हिंदी टेलीविजन सीरीज बालिका वधू में श्याम मदन सिंह का किरदार निभाया था। वह 2009 से 2010 तक इस शो से जुड़े रहे, जो टेलीविजन पर उनके शुरुआती शो में से एक था। मुसाफिर कैफे रुचिर अरुण द्वारा निर्देशित रोमांटिक ड्रामा है, जो प्यार और रिश्तों के उलझाव पर आधारित है। इसमें एक सफर के दौरान होने वाले प्यार और यादों की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म हिंदी साहित्यकार दिव्या प्रकाश दुबे द्वारा लिखा गया एक बेहद लोकप्रिय और भावनात्मक उपन्यास है।

यश की टॉक्सिक बनी रोड़ा? बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की जंग से पीछे हटी ईथा

श्रद्धा कपूर के प्रशंसकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही फिल्म ईथा अब अपनी तय तारीख यानी 28 अगस्त को रिलीज नहीं होगी। निर्माता इस फिल्म को समय से पहले या फिर आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। श्रद्धा की फिल्म तय तारीख पर सिनेमाघरों में रिलीज क्यों नहीं हो पाएगी, आइए जानते हैं। एक सूत्र ने बताया, फिल्म के निर्माता मैडॉक फिल्म्स इस उलझन में हैं कि फिल्म को तय समय से पहले रिलीज किया जाए या फिर इसे आगे बढ़ाया जाए। हालांकि, एक बात पूरी तरह साफ है कि वे इस फिल्म को अपनी पुरानी तारीख यानी 28 अगस्त को रिलीज करने के मूड में नहीं हैं। अगले कुछ ही दिनों में निर्माता रिलीज तारीख में बदलाव को लेकर एक आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं। पिछले हफ्ते तक अगस्त के आखिरी वीकेंड पर 4 फिल्में रिलीज होने वाली थीं। इस स्लॉट को सबसे पहले अनुपम खेर और बोमन ईरानी अभिनीत सीक्वल फिल्म खोसला का घोसला 2 ने बुक किया था। इसके बाद द वन के निर्माताओं ने भी 28 अगस्त की तारीख चुनी। हालांकि, हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की इस जंगल एडवेंचर फिल्म की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई है और अब ये 25 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। कन्नड़ सुपरस्टार यश और कियारा आडवाणी की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक बुधवार, 26 अगस्त को रिलीज होने वाली है। 1 ही हफ्ते में 4 फिल्में होने के कारण टकराव तय था। ट्रेड सूत्रों के अनुसार, ईथा के निर्माता टॉक्सिक जैसी बड़ी फिल्म से भिड़ंत टालना चाहते हैं, जो कि एक समझदारी भरा फैसला है। दोनों ही फिल्मों से बंपर कमाई की उम्मीद है। ऐसे में टकराव होने से विशेषकर महाराष्ट्र जैसे महत्वपूर्ण बाजार में दोनों का कारोबार बंट सकता है। लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित फिल्म ईथा में श्रद्धा दिग्गज मराठी तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका में हैं। दिनेश विजान द्वारा निर्मित इस फिल्म में रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम किरदारों में हैं।

तुम्बाड 2 की रिलीज डेट आउट, करना होगा लंबा इंतजार, 3 दिसंबर, 2027 को सिनेमाघरों में आ रही सोहम शाह की फिल्म

फिल्ममेकर सोहम शाह की आगामी मैथोलॉजिकल हॉरर-थ्रिलर फिल्म तुम्बाड का सीक्वल यानी तुम्बाड 2 की शूटिंग शुरू हो गई है. मेकर्स ने कुछ दिन पहले ही इसकी जानकारी दी थी और मुहूर्त शॉट की कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें शेयर की थी. अब, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है.

सोहम शाह की हॉरर फिल्म तुम्बाड 2018 में एक बड़ी हिट साबित हुई थी. इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे डरावनी और अनोखे ढंग से बनी हॉरर फिल्मों में से एक माना जाता है. इसकी जबरदस्त सफलता के बाद, फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

सोहम शाह ने आधिकारिक तौर पर तुम्बाड 2 की रिलीज़ डेट का एलान किया है. बता दें कि तुम्बाड 2 2026 में सिनेमाघरों में नहीं आएगी. इसे 2027 में रिलीज किया जाएगा.

सोहम शाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तुम्बाड 2 का एक नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट भी बताई गई है. मेकर्स ने इस हॉरर फिल्म की ग्रैंड रिलीज के लिए 3 दिसंबर, 2027 की तारीख तय की है. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक गुनाहों भरा अतीत, एक मनहूस भविष्य. भूख बढ़ रही है, लालच की विरासत जारी है. अपने कैलेंडर में तारीख नोट कर लें- तुम्बाड 2 आ रही है 3. 12. 2027 को. इसी महीने की शुरुआती हफ्ते में मेकर्स ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया था और फैंस को गुड न्यूज देते हुए बताया कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है. मोशनल पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद और कृतज्ञता के साथ, तुम्बाड 2 का सफर शुरू होता है. हम सब मिलकर इस कहानी को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आए हैं.

तुम्बाड 2 के साथ, मेकर्स इसकी कहानी का दायरा को और बड़ा करने की सोच रहे हैं, लेकिन वे फिल्म के ओरिजिनल अंदाज को भी जोड़े रखना चाहते है, जिसने पहली हॉरर फिल्म को सबसे अलग और देखने लायक बनाया था.रिपोर्ट के अनुसार, तुम्बाड 2 में सोहम शाह के साथ मुख्य भूमिका में नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे. आदेश प्रसाद, जो तुम्बाड के सह-निर्देशक थे, इस सीक्वल का निर्देशन कर रहे हैं. सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म 3 दिसंबर को 2027 में सिनेमाघरों में दर्शकों को एंटरटेन करने उतरेगी.

धमाल 4 के बीच तेलुगु फिल्म लेनिन का तहलका, 2 दिन में तोड़े 12 फिल्मों के ओपनिंग वीक रिकॉर्ड्स

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल मचा दिया है. इसने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की और फिल्म ने कई रिकॉर्ड्स तोड़ दिए. जहां इसने वेलकम टू द जंगल और अल्फा का खेल बिगाड़ दिया. वहीं, इसी बीच तेलुगु फिल्म लेनिन ने बिना शोर-शराबे के ही तहलका मचा रही है. ऐसे में चलिए बताते हैं लेनिन ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई कर ली है.

वजन घटाने के लिए कोशिशें की, फिर भी नहीं हुआ कुछ? हो सकती हैं ये गलतियां

वजन घटाने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन हर बार सफल नहीं हो पाते। अगर बार-बार खानपान में बदलाव और व्यायाम करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा है तो इसके पीछे कुछ गलतियां हो सकती हैं। अक्सर लोग बिना सोचे-समझे वजन घटाने के लिए कई चीजें आजमा लेते हैं, लेकिन गलत तरीके से अपनाए गए ये तरीके और गलतियां वजन घटाने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। आइए इन गलतियों के बारे में जानें।

पानी का कम सेवन

वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ पानी का भरपूर सेवन करना भी जरूरी है। पानी पाचन को ठीक रखने के साथ-साथ वजन घटाने में भी मदद कर सकता है।इसके अलावा पानी शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालकर भी वजन घटाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इसके साथ ही नारियल पानी, नींबू पानी और फलों का रस भी पिएं।

पर्याप्त नींद न लेना

अगर आप वजन घटाने के लिए काफी मेहनत करने के बावजूद वजन नहीं घटा पा रहे हैं तो इसका कारण पर्याप्त नींद न लेना हो सकता है।

दरअसल, अगर आप रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं लेते हैं तो इससे आपका वजन बढ़ सकता है।

इसके अलावा नींद की कमी से तनाव और थकान जैसी कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए वजन घटाने के लिए पूरी नींद लेना जरूरी है।

सुबह का नाश्ता छोड़ना

अगर आप वजन घटाने के चक्कर में सुबह का नाश्ता छोड़ देते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है।

सुबह का नाश्ता न छोड़ें क्योंकि यह दिन का सबसे अहम और पहला भोजन होता है। सुबह का नाश्ता न करने से शरीर की ऊर्जा कम हो जाती है और इससे वजन घटाने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।

अगर आप सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं तो इससे शरीर की ऊर्जा भी कम हो जाती है।

ज्यादा शारीरिक गतिविधि न करना

अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को भी शामिल नहीं कर रहे हैं तो आपका वजन नहीं घट सकता।

अगर आप वजन घटाने के लिए खानपान में बदलाव के साथ-साथ व्यायाम को शामिल नहीं करते हैं तो आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिल सकता। रोजाना कम से कम आधा घंटा किसी भी तरह की शारीरिक गतिविधि करना जरूरी है।इसके अलावा आप चाहें तो योग और टहलने को भी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।तनाव लेना तनाव लेने से न केवल वजन बढ़ता है, बल्कि इससे कई तरह की बीमारियां भी हो सकती हैं। ऐसे में वजन घटाने के लिए तनाव से दूर रहना जरूरी है।

क्या आपका गुस्सा आपको अस्वस्थ कर रहा है? जानें 5 संकेत

गुस्सा एक सामान्य मानवीय भावना है, लेकिन जब यह अस्वस्थ रूप ले लेता है तो कई समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है और आपको मदद की जरूरत है। इन संकेतों को पहचानकर आप समय रहते अपनी स्थिति को सुधार सकते हैं और एक संतुलित जीवन जी सकते हैं।

लगातार गुस्सा आना

अगर आपको बार-बार या लगातार गुस्सा आता है तो यह एक अहम संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस स्थिति में आप छोटी-छोटी बातों पर भी ज्यादा प्रतिक्रिया देने लगते हैं और इससे आपके रिश्ते पर बुरा असर पड़ सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको किसी विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए ताकि आप अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें।

दूसरों पर चिल्लाना या अपशब्द कहना

अगर आप दूसरों पर चिल्लाते हैं या अपशब्द कहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपका गुस्सा अस्वस्थ हो रहा है।

इस तरह का व्यवहार न केवल आपके रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है बल्कि समाज में आपकी छवि भी खराब कर सकता है।

अगर आप खुद को इस स्थिति में पाते हैं तो आपको अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए उपाय खोजने चाहिए और शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए।

खुद को नुकसान पहुंचाना

अगर आप अपने गुस्से को नियंत्रित नहीं कर पाते और खुद को नुकसान पहुंचाते हैं तो यह बहुत गंभीर स्थिति है।

इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

खुद को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार को तुरंत पहचानना जरूरी है और इसके लिए आपको किसी पेशेवर मदद की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप सही दिशा में जा सकें और अपनी स्थिति को सुधार सकें।

गुस्से के कारण नींद पर भी असर पड़ सकता है। अगर आपको रात में सोने में दिक्कत होती है या जरूरत से ज्यादा नींद आती है तो यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

इस स्थिति में आपको अपने दिनचर्या में बदलाव लाने की जरूरत पड़ सकती है ताकि आप अपने गुस्से को बेहतर तरीके से समझ सकें और नियंत्रित कर सकें। सही समय पर मदद लेना भी जरूरी हो सकता है। अगर आपका आत्म-सम्मान कम होता जा रहा है और आप खुद को नीचा समझते हैं तो यह भी अस्वस्थ गुस्से का संकेत हो सकता है। इससे न केवल आपकी मानसिक स्थिति बिगड़ती है बल्कि आपके रिश्तों पर भी बुरा असर पड़ता है।

शब्द सामर्थ्य -101

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जित, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भंवर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. खुड़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पांचवां हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

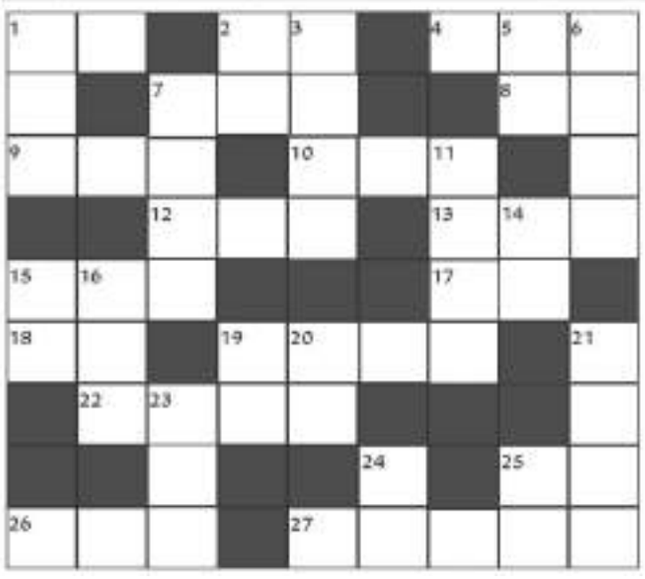

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 100 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	ब	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज्ञ	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना घमापुर में रात कृष्णा चौहटेल उम्र 16 वर्ष निवासी न्यू कछियाना द्वारकानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कक्षा 11 वीं खालसा स्कूल में पढ़ाई करता है शाम लगभग 4 बजे घर के बाहर टहल रहा था तभी चिराग पनघेरा अपने अन्य साथियों के साथ आकर उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगा, रूपये देने से मना करने पर चिराग पनघेरा गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर चिराग ने चाकू से हमलाकर वायें पैर की जांघ में चोट पहुँचा दी

रामनगर और देहरादून के बीच पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन से उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच संपर्क उत्तम होगा

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हरिद्वार और देहरादून स्टेशनों के पुनर्विकास में भीड़भाड़ बढ़ाए बिना गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों के लिए उत्तम सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा- अश्विनी वैष्णव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज वर्चुअल माध्यम से रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस की पहली सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही रामनगर और देहरादून को जोड़ने वाली पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत हुई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस अवसर पर उपस्थित हुए। यह नई ट्रेन इस क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है और यह उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को काफी मजबूत करेगी।

एक्सप्रेस ट्रेन हर बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 15310 रामनगर से सुबह 5ः50 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 12ः40 बजे देहरादून पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, ट्रेन संख्या 15309 देहरादून से दोपहर 15ः55 बजे प्रस्थान करेगी और रात 23ः30 बजे रामनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में काशीपुर, रोशनपुर, पिपल्सना, मुरादाबाद, नजीबाबाद और हरिद्वार स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी सेकंड क्लास, एसी थर्ड क्लास, एसी चेयर कार, स्लीपर क्लास, सेकंड सिटिंग और जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे, जो विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा विकल्प प्रदान करेंगे।

यह नई सेवा उत्तराखंड के नैनीताल, उधम सिंह नगर, हरिद्वार और देहरादून जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बिजनौर जिलों के निवासियों को लाभ पहुंचाएगी, जिनमें छात्र, किसान, व्यापारी और समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल हैं। इससे देहरादून और हरिद्वार के लिए सुविधाजनक एक ही दिन में कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे यात्री घर लौटने से पहले अपने आधिकारिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत कार्यों को पूरा कर सकेंगे।

इस ट्रेन से क्षेत्र में पर्यटन और तीर्थयात्रा को बढ़ावा मिलने की भी आशा है। इससे जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, रामनगर के पास कोसी नदी के बीच एक विशाल चट्टान पर स्थित गिरिजा देवी मंदिर और सीतामढ़ी/सीतावनी के प्राचीन धार्मिक स्थलों तक उत्तम कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके अलावा, हरिद्वार और देहरादून से आगे की कनेक्टिविटी के माध्यम से यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनात्री सहित चार धाम तीर्थयात्रा मार्ग तक पहुंचना अधिक सुविधाजनक होगा।

श्री वैष्णव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेगी। यह दोनों शहरों के बीच चलने वाली पहली सीधी एक्सप्रेस ट्रेन है और इससे उत्तराखंड के लोगों को तेज, अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय रेल संपर्क मिलने की आशा है।

उन्होंने यह भी बताया कि हरिद्वार पर दबाव कम करने के लिए ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को फीडर स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें अतिरिक्त क्षमता सृजित करना और हरिद्वार और ऋषिकेश आने-जाने वाले यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार करना शामिल है।श्री वैष्णव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तराखंड में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य में 11 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें देहरादून, हरिद्वार जंक्शन, हर्रावाला, काशीपुर जंक्शन, किच्छा, कोटद्वार, रुड़की, काठगोदाम, लाल कुआं जंक्शन, रामनगर और टनकपुर शामिल हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि हरिद्वार और देहरादून स्टेशनों के पुनर्विकास की योजना इस प्रकार बनाई जा रही है कि गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भीड़भाड़ न बढ़े। रेल से जुड़ी अन्य पहलों के बारे में बताते हुए, श्री वैष्णव ने बताया कि हाल ही में शुरू की गई टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इस इलाके में वंदे भारत सेवाएं भी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं।

उत्तराखंड में रेल क्षमता बढ़ाने के लिए ऋषिकेश रेलवे स्टेशन को फीडर स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा- केंद्रीय रेल मंत्री

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि रामनगर-देहरादून एक्सप्रेस का शुभारंभ उत्तराखंड में रेल संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नई रेल सेवा शुरू होने पर राज्य के लोगों को बधाई दी और इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने यह भी बताया कि उत्तराखंड में रेल संपर्क में हाल के वर्षों में काफी सुधार हुआ है और राज्य भर में कई नई रेल सेवाएं शुरू की गई हैं। श्री धामी ने कहा कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है और यह उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और पर्यटन विकास के लिए जीवन रेखा साबित होगी। इसके अलावा, श्री धामी ने बताया कि उत्तराखंड को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 4,769 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जबकि राज्य में 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाएं वर्तमान में कार्यान्वयन के अधीन हैं। हरिद्वार में रेलवे विकास का जिक्र करते हुए श्री धामी ने कहा कि आगामी कुंभ महोत्सव को देखते हुए कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और ट्रेन सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। हरिद्वार निर्वाचन क्षेत्र के सांसद श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, गढ़वाल निर्वाचन क्षेत्र के सांसद अनिल बलुनी और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल हुए।

भंवरताल और सेंट नॉर्बर्ट स्कूल के पास से हटा अतिक्रमण, चालानी कार्रवाई भी

स्वच्छ और सुरक्षित शैक्षणिक माहौल के लिए नगर निगम की कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा शहर के शैक्षणिक क्षेत्रों को सुरक्षित, स्वच्छ और नशामुक्त बनाने के लिए कारवाई की गई है। कारवाई के संबंध में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि संभाग क्रमांक 13 के अंतर्गत आने वाले भंवरताल गार्डन और सेंट नॉर्बर्ट स्कूल के आस-पास के क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान चलाया गया। ?टीम के सदस्यों ने कहा कि तहसीलदार वीर बहादुर सिंह धुर्वे की उपस्थिति में हुई कार्रवाई की गई है द्य उनका कहना था कि स्कूली बच्चों को एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना प्रशासन का उद्देश्य है। विद्यालय के ठीक बाहर और आस-पास हाथ ठेले वालों द्वारा किए गए अतिक्रमण, फैलाई जा रही गंदगी और नशीले पदार्थों के संदिग्ध विक्रय की शिकायतों को प्रशासन ने बेहद गंभीरता से लिया। बच्चों के भविष्य और उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन की टीम ने त्वरित एक्शन लिया। नियमों का उल्लंघन करने वाले, गंदगी फैलाने वाले और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त हाथ ठेले वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम की अतिक्रमण टीम और स्वास्थ्य टीम ने मिलकर काम किया। प्रशासन के इस कदम की स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन द्वारा जमकर सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि स्कूलों के आसपास इस तरह की मुस्तैदी से न केवल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि उन्हें एक स्वच्छ और सकारात्मक शैक्षणिक परिवेश भी मिलेगा।

निर्धन छात्रों को वितरित की शैक्षणिक सामग्री

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जावालि पुरम सृजन संस्था द्वारा 12 वाँ बर्ष निरंतर कार्यक्रम आयोजित कर शासकीय विद्यालयो में आर्थिक रूप से अक्षम छात्र छात्राओं को जो कि प्रत्येक वर्ष निशुल्क स्टेशनरी का वितरण किया जाता है। उसी क्रम में शा. प्राथमिक शाला झिरी पारसिया न्यू भेडाघाट के पास लगभग 60. ट्ठ 65 छात्राओं की कापी व कलर पोंसिल देकर पढ़ाई के प्रति जागरूक किया उक्त अवसर पर शाला प्रभारी सरिता मेडम व वंदना कोरी मेडम का मार्गदर्शन रहा संस्था अध्यक्ष सुरेश शर्मा एडवोकेट सह सचिव आनंद जैन सदस्य पायल पुरी की सराहनीय उपस्थित से कार्यक्रम सफल बनाया गया

जबलपुर में 314.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं से जलापूर्ति एवं सीवरेज सुविधाओं को मिलेगा विस्तार

अर्बन चैलेंज फंड से जबलपुर को मिलेगी जल प्रदाय और सीवरेज परियोजनाओं के उन्नयन की सौगात

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अर्बन चैलेंज फंड के तहत महानगर जबलपुर को भी जल प्रदाय और सीवरेज परियोजनाओं के उन्नयन की महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। उल्लेखनीय है कि अर्बन चैलेंज फंड योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश द्वारा प्रस्तुत विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं को भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है। मंत्रालय के सचिव श्री कटिकिथला श्रीनिवास तथा अपर सचिव श्रीमती थारा ने प्रस्तावों का अवलोकन किया। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने प्रदेश की शहरी विकास परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया।प्रस्तावित परियोजनाओं में जबलपुर शहर के लिए जल प्रदाय एवं सीवरेज सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को विशेष महत्व दिया गया है। जल प्रदाय योजना के लिए 64.18 करोड़ रुपये तथा सीवरेज योजना के लिए 250 करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इस प्रकार जबलपुर में कुल 314.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के माध्यम से शहरी जल एवं सीवरेज अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी।

जबलपुर की जल प्रदाय परियोजना के अंतर्गत वर्तमान और आगामी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शहर के ऐसे क्षेत्रों को जल प्रदाय नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, जहां अभी तक पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2040 की अनुमानित आवश्यकता के अनुसार शहर में 31.75 किलोमीटर नई वितरण पाइपलाइन, 5 नए ओवरहेड सर्विस रिजर्वायर तथा 2.51 किलोमीटर फीडर नेटवर्क विकसित किया जाएगा।परियोजना के माध्यम से लगभग 1 लाख 13 हजार 926 नए घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। इसके बाद जल प्रदाय व्यवस्था लगभग 2.90 लाख घरेलू कनेक्शनों तक विस्तारित हो सकेगी। परियोजना में 4,969 स्मार्ट मीटरों की स्थापना के साथ 5 ओवरहेड टैंकों के लिए पीएलसी-एससीएडीए प्रणाली विकसित की जाएगी। इससे जल प्रदाय व्यवस्था की रियल टाइम मॉनिटरिंग और बेहतर संचालन संभव होगा।इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न जल शोधन संयंत्रों में रेट्रोफिटिंग का प्रावधान भी किया गया है। परियोजना का उद्देश्य जबलपुर में सुरक्षित, विश्वसनीय और सतत जल प्रदाय व्यवस्था को मजबूत करना है। भविष्य में 100 प्रतिशत जल प्रदाय कवरेज, स्मार्ट मीटरिंग, जल हानि में कमी और स्कॉडा आधारित निगरानी जैसे सुधारों पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

जबलपुर की सीवरेज परियोजना के अंतर्गत शहर के उन क्षेत्रों और आसपास के 55 गांवों को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ने का प्रस्ताव है, जहां वर्तमान में सीवरेज सुविधा उपलब्ध नहीं है।

परियोजना के तहत लगभग 300 किलोमीटर सीवरेज नेटवर्क विकसित किया जाएगा तथा 37,089 नए घरेलू सीवरेज कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे।वर्ष 2040 की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 20.50 एमएलडी क्षमता के 8 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही 750 किलोलीटर क्षमता के 6 बायो-डाइजेस्टर, 18 जेटिंग-कम-सक्शन एवं डी-स्लजिंग वाहनों की व्यवस्था तथा आवश्यक विद्युत एवं यांत्रिक कार्य किए जाएंगे। सीवरेज योजना के तहत जबलपुर शहर को छह सीवरेज जोन में विभाजित किया गया है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहले से संचालित अथवा स्वीकृत योजनाओं के साथ समन्वय करते हुए जोन-6 में शामिल 55 गांवों को प्रस्तावित परियोजना के माध्यम से सीवरेज सुविधा से जोड़ा जाएगा। इसके लिए विभिन्न क्लस्टरों में आधुनिक तकनीक आधारित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट प्रस्तावित हैं। इससे लगभग 1.86 लाख की अनुमानित आबादी को बेहतर सीवरेज सुविधा का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत प्रस्तावित दोनों परियोजनाएं जबलपुर के शहरी विकास को नई दिशा देने वाली हैं। जल प्रदाय परियोजना से जहां शहर के वंचित क्षेत्रों में पाइप्ड जलापूर्ति का विस्तार होगा, वहीं सीवरेज परियोजना से सीवेज के वैज्ञानिक प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा खास बात यह कि सीवरेज शोधन संयंत्र निकलने वाले उपचारित जल का सिंचाई , उदयानिकी इत्योदि में पुनउपयोग भी किया जायेगा।

19 जुलाई सालाना उर्स पर विशेष

लोगों के लिए हमेशा रहस्य रहे- मशीन वाले बाबा साहब

(तालिब हुसैन)

फना-फी-शैख होकर जो बका-फी-खुदा पा गए,
दुनिया की भीड़ में रहकर भी तन्हाई निभा गए।
विलायत का जाम पिया और मखलूक को पिला दिया,
जबलपुर की खाक को % बाबा% ने कुंदन बना दिया।

सूफी वो है जो अपनी ज़ात को मिटाकर रब में फ़ना हो जाए। विलायत वो मंज़िल है जो इबादत, रियाज़त और खिदमते खल्क से मिलती है। और लाखों दिलों पर हुकूमत वो करता है जो खुद को गुमनामी में रखकर सिर्फ अपने मौला से लौ लगा ले।

ना भूख की खबर, ना प्यास का एहसास। दौलत के ढेर और शौहरत की चकाचौंध सामने थी, मगर निगाहें झुकी रहीं। आधी सदी तक पीड़ित खुद को पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। ये कोई कहानी नहीं, तपस्या है। विलायत है, परहेज़गारी व तकवा है. जी हाँ, हम बात कर रहे हैं जबलपुर ही नहीं बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के ताज, सदी के नायाब वली, आशिके हुसैन, सदरूल आलम, शाह अलमारूफ़ फ़ख़्रे कौमो मिल्लत, वली ए कामिल हज़रते अक़दस अल्हाज बाबा सआदत हुसैन नक्शबंदी ﷺमशीन वाले बाबा साहबﷺ की।

19 जुलाई को है सालाना उर्स -19 जुलाई का दिन मोहब्बत और अकीदत का दिन है। तीन दिन पहले से ही घण्टाघर के पास स्थित दरगाह शरीफ नूर से जगमगा उठती है। चादर, गुलाब, अगरबत्ती और दुरूद की सदा से फिज़ा महकने लगती है। मुल्क के कोने-कोने से ज़ायरीन आ पहुँचे हैं। हर मज़हब, हर बिरादरी का इंसान यहाँ एक सफ में खड़ा है।

कौमी एकता का मर्कज़ -बाबा साहब की हयात में ही उनका आस्ताना कौमी एकता का मरकज़ था। आज भी उनकी दरगाह शरीफ भाईचारे और इंसानियत का सबसे बड़ा चराग है। यहाँ सवाल जाति का नहीं, दर्द का है। यहाँ मांग दौलत की नहीं, दुआ की है।

करामातों का दरिया -बाबा साहब की ज़िंदगी का हर लम्हा करामत है। अगर कलम चलाई जाए तो स्याही खत्म हो जाएगी मगर वाक्यात खत्म नहीं होंगे। आज भी हज़ारों चश्मदीद ज़िंदा हैं जो गवाही देते हैं।

डॉक्टरों ने जिन मरीजों से हाथ खड़े कर लिए थे, बाबा की एक नज़र और दुआ से उन्हें शिफा मिली। बेऔलाद के घर किलकारी गूंजी, टूटे हुए घर फिर से बसे। आपकी दुआ से अल्लाह ने हजारों ऐसे लोगों की जिंदगी में खुशियाँ लौटा दीं, जिनका जीवन चारों तरफ सिर्फ अंधेरा ही अंधेरा था.

पैगाम-ए-सूफियत

इस उर्स का पैगाम साफ है - खुद को मिटाओ, दूसरों के लिए जियो। असली विलायत इबादत के साथ खिदमत में है। असली बादशाहत दिलों पर राज करने में है।

आज दरगाह पर कुरानख्वानी, फातिहा, महफिल-ए-नात और लंगर का सिलसिला जारी है। हर ज़बान पर एक ही सदा है।

जो फकीरी में भी बादशाहत की शान रखते थे,
अल्लाह वाले थे वो , जो काँटों में भी गुलाब रखते थे।
आधी सदी गवाह है उनकी विलायत की,
आज भी दर से खाली कोई नहीं लौटा, ये इनायत है उन की।

(लेखक जबलपुर में फाउंडर टीवी जर्नलिस्टस हैं)

स्मृति शेष- शिक्षा, साहित्य और संस्कार के पुरोधा पण्डित हरिकृष्ण त्रिपाठी जी

जन्म -04 अगस्त 1930 - निधन -17 जुलाई 2015

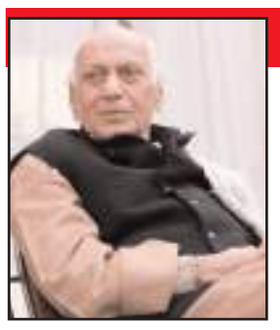

संस्थापक प्राचार्य - श्री जानकी रमण महाविद्यालय, आगा चौक, जबलपुर म.प्र.

1. प्रारंभिक जीवन और शिक्षा के संस्कार

04 अगस्त 1930 को दीक्षित पुरा जबलपुर,म.प्र.जन्मे पण्डित हरिकृष्ण त्रिपाठी जी एक ऐसे परिवार से थे जहाँ शिक्षा और धर्म को सर्वोपरि माना जाता था। बचपन से ही उनमें पढ़ने-लिखने और समाज को कुछ देने की ललक थी। उन्होंने अपने जीवन में यह संकल्प लिया था कि शिक्षा को व्यवसाय नहीं बल्कि सेवा बनाना है।

2. श्री जानकी रमण महाविद्यालय की स्थापना - एक मिशन

उस समय जबलपुर के आगा चौक क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिए बहुत सीमित साधन थे। मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के माता-पिता के लिए बच्चों को दूर भेजकर पढ़ाना कठिन था। इसी पीड़ा को समझकर पण्डित जी ने श्री जानकी रमण महाविद्यालय की स्थापना की। संस्थापक प्राचार्य के रूप में उन्होंने ईंट-ईंट जोड़कर न सिर्फ एक इमारत खड़ी की, बल्कि एक ऐसा शैक्षणिक मंदिर बनाया जहाँ ज्ञान के साथ संस्कार भी मिले। उनका स्पष्ट मत था - पहले अच्छा नागरिक बनाओ, फिर अच्छी डिग्री। उनके नेतृत्व में महाविद्यालय ने बहुत कम समय में अनुशासन, परिणाम और संस्कारों के लिए अपनी अलग पहचान बनाई।

3. साहित्यकार और वक्ता के रूप में

पण्डित हरिकृष्ण त्रिपाठी जी केवल प्रशासक ही नहीं, एक संवेदनशील साहित्यकार भी थे। हिंदी भाषा, तुलसी, सूर और निराला के साहित्य पर उनकी गहरी पकड़ थी। महाविद्यालय की प्रार्थना सभा, वार्षिकोत्सव और कवि सम्मेलनों में उनके उद्बोधन आज भी पुराने छात्रों को याद हैं। वे कठिन बात को भी इतनी सरलता से समझाते थे कि हर छात्र के मन में उतर जाती थी। पुस्तकालय को समृद्ध करना और छात्रों में वाचन की आदत डालना उनका प्रिय कार्य था।

4. व्यक्तित्व = अनुशासन और करुणा का संगम

कक्षा में प्रवेश करते ही शांति छा जाती थी, और कक्षा से निकलते ही सबके चेहरे पर मुस्कान। ऐसा था उनका व्यक्तित्व। वे नियमों के बहुत पक्के थे, लेकिन किसी छात्र के आंसू देखकर उनका दिल पिघल जाता था। फीस न दे पाने वाले छात्रों की मदद करना, प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाना - ये उनके रोज के काम थे। शिक्षकों के लिए वे मार्गदर्शक और अभिभावकों के लिए विश्वसनीय नाम थे।

5. 17 जुलाई 2015 - शिक्षा जगत की अपूरणीय क्षति

85 वर्ष की आयु में 17 जुलाई 2015 को पण्डित जी ने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार सुनकर पूरा जबलपुर शोक में डूब गया। विद्यालय बंद हुए, छात्रों ने श्रद्धांजलि दी। एक युग समाप्त हो गया था।

6. विरासत और प्रेरणा-आज 2026 में भी श्री जानकी रमण महाविद्यालय उसी आदर्श पर चल रहा है जो पण्डित जी ने स्थापित किए थे। उनके द्वारा पढ़ाए हुए सैकड़ों छात्र आज शिक्षक, अधिकारी, वकील और समाजसेवी बनकर देश सेवा कर रहे हैं। उन्होंने सिखाया कि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी पाना नहीं है। शिक्षा का अर्थ है - चरित्र निर्माण, देशभक्ति और मानवता।

उपसंहार- पण्डित हरिकृष्ण त्रिपाठी जी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि एक व्यक्ति भी यदि ठान ले तो पूरे क्षेत्र की शिक्षा का नक्शा बदल सकता है।

*वृक्ष कबहुं न फल भखै, नदी न संचे नीर।
परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर॥

इस दोहे को उन्होंने अपने जीवन से सार्थक किया।

शत-शत नमन ??

आपका दिया हुआ ज्ञान दीप हम सबके जीवन को सदैव प्रकाशित करता रहेगा।

डॉ. मुकुल तिवारी
पं.बालमुकुंद त्रिपाठी मार्ग, दीक्षितपुरा, जबलपुर, म. प्र.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना विजयनगर में रात अम्बकेश्वर बड़गैया उम्र 46 वर्ष निवासी मैत्रीनगर महराजपुर ने नायब तहसील कार्यालय अधारताल से लिखित शिकायत की कि जिसमें लेख है कि प्राप्त शिकायत जांच उपरांत निष्कर्ष में लेख किया गया है कि संलग्न 2 आधारकार्ड की छायाप्रति जिसमें दोनों के आधारकार्ड में आधार नम्बर हैं दोनों आधार में नम्बर नसरीन निखत द्वारा मो. रियाज है जिसमें दोनों आधार में प्रथम दृष्टया नेत्रांकन के अनुसार फोटो भिन्न प्रतीत होती है,

शराब पार्टी के दौरान हुआ विवाद, आरोपी गिरफ्तार

भेड़ाघाट में दोस्त की लाठी से पीट-पीटकर हत्या

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के बरखेड़ा गांव में शराब पीने के दौरान हुए विवाद ने एक युवक की जान ले ली। साथ बैठकर शराब पी रहे दो दोस्तों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि एक युवक ने दूसरे पर लाठी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को घटना के कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बरखेड़ा निवासी बृजेश पटेल के रूप में हुई है, जबकि आरोपी राजा चौबे है। शुक्रवार शाम दोनों गांव के पास बैठकर शराब पी रहे थे।

करीब आधे घंटे तक साथ रहने के बाद नशे की हालत में किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और फिर मारपीट में बदल गया।

लाठी से किया ताबड़तोड़ हमला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद के दौरान राजा चौबे ने पहले बृजेश पटेल को धक्का दिया। इसके बाद पास में पड़ी लाठी उठाकर उसके सिर और शरीर पर कई वार किए। हमले में बृजेश गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और घायल को वहीं तड़पता छोड़ दिया।

ग्रामीणों ने पहुंचाया अस्पताल

कुछ देर बाद वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने बृजेश को खून से लथपथ हालत में देखा और तत्काल भेड़ाघाट थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा और भेड़ाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां शनिवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज

घटना के बाद पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ की, जिसमें आरोपी राजा चौबे का नाम सामने आया। पुलिस ने देर रात ही आरोपी को हिरासत में ले लिया था। बृजेश की मौत के बाद उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

अवैध शराब बिक्री पर उठे सवाल

घटना के बाद ग्रामीणों ने गांव में लंबे समय से हो रही अवैध शराब बिक्री पर भी सवाल उठाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में खुलेआम अवैध शराब बिकने के कारण आए दिन विवाद और मारपीट की घटनाएं होती रहती हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से अवैध शराब के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने दिए कार्रवाई के निर्देश

सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है। भेड़ाघाट थाना पुलिस को क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही हत्या के मामले की विस्तृत जांच जारी है।

जबलपुर से सिवनी जा रही स्लीपर बस गड्ढे में घुसी

क्रेन की मदद से बाहर निकलवाई, यात्री घबराये, कोई घायल नहीं

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। एमपी के सिवनी जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जबलपुर से सिवनी जा रही एक स्लीपर बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर बम्होडी गांव के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा घुसी। ड्राइवर की सूझबूझ और यात्रियों की मदद से एक बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई।

बताया जाता है कि बस अपनी सही रफ्तार में जा रही थी। बम्होडी गांव के पास पहुंचते ही ड्राइवर का बस पर से नियंत्रण खो गया और गाड़ी सड़क छोड़कर किनारे बने गड्ढे में उतर गई। घटना के वक्त बस में कई यात्री सवार थे, जो गाड़ी के रुकते ही सुरक्षित बाहर निकल आए। खबर मिलते ही लखनादौन थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया।

हादसा किस वजह से हुआ, इसका अभी साफ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ड्राइवर से पूछताछ कर रही है। यह जांच की जा रही है कि दुर्घटना गाड़ी में किसी तकनीकी खराबी, सड़क की हालत या किसी अन्य कारण से हुई। जरूरत पडने पर बस की तकनीकी जांच भी कराई जाएगी।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर ट्रैफिक प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर साफ कराया। बाद में क्रेन बुलाकर बस को गड्ढे से बाहर निकालने का काम शुरू किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह इलाका काफी व्यस्त रहता है, अगर हादसे के वक्त सड़क किनारे कोई होता तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

बदनपुर पहाड़ी पर पुलिस की दबिश, पकड़े गए 5 जुआंड़ी, चार अंधेरे का फायदा उठाकर भागे

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में गढ़ा स्थित बदनपुर पहाड़ी पर लम्बे समय से चल रहे जुआंफड़ पर बीती देर रात पुलिस ने दबिश दी. पुलिस की दबिश में जुआंडियों में भगदड़ मच गई. पुलिस की दबिश में जुआंड़ी कूदकर भागे लेकिन पुलिस की घेराबंदी में पकड़े गए, वहीं चार जुआंड़ी कूदकर भागने में सफल रहे. पुलिस ने मौके से पांच जुआंडियों को पकड़कर 25 हजार 260 रुपए जब्त किए है. गढ़ा पुलिस के अनुसार बदनपुर पहाड़ी पर लम्बे समय से चल रहे जुआंफड़ पर बीती देर रात पुलिस ने घेराबंदी कर दबिश दी, पुलिस को देखते ही जुआंडियों में भगदड़ मच गई. जुआंड़ी पहाड़ी से कूदकर भागने की फिराक में थे लेकिन पुलिस की घेराबंदी में पकड़े गए. पुलिस ने मौके से मोनू प्रजापति उम्र 37 वर्ष निवासी नेता कालोनी साई बाबा मंदिर के पास अधारताल, श्याम प्रजापति उम्र 32 वर्ष निवासी इंद्रा बस्ती रतन नगर गढ़ा, मोनू उर्फ लक्ष्मी सिंह लोधी उम्र 42 वर्ष निवासी गंगासागर लोधी मोहल्ला, राहुल मनोहरे उम्र 41 वर्ष निवासी जल मंदिर के पास आगा चौक सर्वोदय नगर, मूर्ति केवट उम्र 22 वर्ष निवासी यादव कालोनी रानीताल को पकड़ा है.

शातिर बदमाश फायर आर्म्स सहित पकड़ा गया, 1 पिस्टल एवं 1 कारतूस जप्त

जबलपुर -थाना प्रभारी गोरखपुर श्री नितिन कमल ने बताया कि चौकी रामपुर में रात विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शिलाकुंज नयागांव में एक व्यक्ति अवैध हथियार पिस्टल लिये कोई घटना करने की नीयत से घूम रहा है, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान शिलाकुंज नयागांव में दबिश दी

जबलपुर की बेटी को दमोह में डाक्टर पति, सास व ससुर ने फिनायल पिलाया, हालत गंभीर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर के पनागर की बेटी, जिसका विवाह लगभग ढाई माह पूर्व दमोह में हुआ था, उसके वेटरनरी डाक्टर पति व सास, ससुर ने दहेज के लोभ में फिनायल पिलाकर जान लेने का प्रयास किया, नवविवाहिता की हालत गंभीर है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

दमोह की क्रिश्चियन कॉलोनी में एक वेटरनरी डॉक्टर और उसके माता-पिता पर अपनी 24 वर्षीय नवविवाहिता को फिनायल पिलाने के आरोप लगे हैं। पीड़ित महिला को गंभीर हालत में शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मायके पक्ष का कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले 20 लाख रुपए की कार की मांग को लेकर महिला के साथ मारपीट कर रहे थे।

जबलपुर के पनागर निवासी पीड़ित महिला की मां पार्वती राय ने बताया कि उनकी बेटी शिवानी की शादी इसी साल 30 अप्रैल को दमोह के वेटरनरी डॉक्टर मनीष राय से हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने करीब 30 लाख रुपए खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के तुरंत बाद से ही पति मनीष, ससुर विशाल और सास अनीता दहेज के लिए शिवानी को प्रताड़ित करने लगे थे। शुक्रवार सुबह शिवानी ने जबलपुर में अपनी मां को फोन कर बताया कि पति और सास-ससुर ने मिलकर उसे जबरन फिनायल पिला दिया है। इसके बाद मां ने दमोह में रहने वाले अपने रिश्तेदारों को सूचना दी। शिवानी के मौसी का बेटा सोनू राय जब क्रिश्चियन कॉलोनी स्थित घर पहुंचा, तो आरोपी वहां से गायब थे। सोनू ने तुरंत शिवानी को जिला अस्पताल पहुंचाया।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 153/ 2026-27 - दिनांक 16.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती गीता मौर्य, पति श्री मोहन लाल मौर्य** ने भवन क्रं. 1154 पिन क्र. 1000415931 **वार्ड क्र. 62, वार्ड भीमराव अम्बेडकर वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री हीरालाल, पिता- खड़ग बहादुर, भूतल 450 व.फु., **विक्रयपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 154/ 2026-27 - दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती रीना देवी, पति श्री रणधीर कुमार** ने भवन क्रं. डी.डी. कालोनी पिन क्र. 1000592568 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती निवेदिता महापात्रा, पति श्री जयंत कुमार महापात्रा, भूतल 800 व.फु., प्रथमतल 460 व.फु. आर.सी.सी., द्वितीयतल 50 व.फु. आर.सी.सी., द्वितीयतल 320 व.फु. सी.सी. , **विक्रयपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 155/ 2026-27 - दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती विभा पाण्डेय, पति श्री मुकेश चन्द्र पाण्डेय** ने भवन क्रं. खसरा नं. 7/43 का भाग पिन क्र. 9000258260 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी 1. श्रीमती सुमिता रॉय, पति स्व. श्री श्यामल कुमार रॉय, 2. असिन रॉय एवं अजीत रॉय, पिता स्व. श्री श्यामल कुमार रॉय, क्षेत्रफल भूमि 850 व.फु. , **विक्रयपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 152/ 2026-27 - दिनांक 15.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री मनीष कुमार साहू, पिता स्व. श्री भोला राम साहू** ने भवन क्रं. 2293/40 पिन क्र. 1000407016 **वार्ड क्र. 64, वार्ड महर्षि सुदर्शन वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री दयाराम साहू, पिता- सुखईराम साहू, भूतल 564 व.फु., प्रथमतल 420 व.फु. आर.सी.सी. , ..., **आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 156/ 2026-27 - दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **कु. अम्बालिका चौबे, पिता- संजय कुमार चौबे** ने भवन क्रं. खसरा नं. 7/43 का भाग पिन क्र. 9000258260 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी 1. श्रीमती सुमिता रॉय, पति स्व. श्री श्यामल कुमार रॉय, 2. असिन रॉय एवं अजीत रॉय, पिता स्व. श्री श्यामल कुमार रॉय, क्षेत्रफल भूमि 850 व.फु. , **विक्रयपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 157/ 2026-27 - दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्री अशोक कुमार अहिरवार, पिता - राम आसरे, 2. श्रीमती उषा कुमारी, पति- श्री अशोक कुमार,** ने भवन क्रं. 62/2 पिन क्र. 1000595912 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री सुरानन डी., पिता स्व. श्री दामोदरन, भूतल 1250 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 500 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, आधार कार्ड,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/ एम. 151/ 2026-27 - दिनांक 16.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **का. श्री जितेन्द्र कुमार नागदेव, पिता स्व. श्री कन्हैया लाल नागदेव,** ने भवन क्रं. 1212 पिन क्र. 1000415964 **वार्ड क्र. 62, वार्ड डॉ. भीमराव अम्डेकर वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री सेठ नरसिंह दास, का. सुरेश कुमार कुहार, पिता- सुन्दर लाल, भूतल 264 व.फु., ..., के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/120 दिनांक 17.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री प्रदीप पाण्डेय, पिता स्व. श्री सूर्यभान पाण्डेय** ने मकान नं. 522/35 विकास नगर, पिन. नं. 1000422242 **वार्ड महाराजा अग्रसेन वार्ड,** क्षेत्रफल 960 व.फु., भूतल 480 व.फु., **वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/119 दिनांक 17.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती ज्योत्सना जैन, पति श्री गौरव जैन एवं श्रीमती वीणा जैन, पति श्री विजय कुमार जैन** ने मकान नं. खसरा नं. 204/2 एवं प्लाट नं. 16 का हिस्सा, पिन. नं. 1000357586 **वार्ड जय प्रकाश नारायण वार्ड,** क्षेत्रफल 1037.5 व.फु. खाली भूमि, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/ 27/एम/118 दिनांक 17.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती वीणा जैन, पति श्री विजय कुमार जैन** ने मकान नं. खसरा नं. 204/2 एवं प्लाट नं. 16 का हिस्सा, पिन. नं. 1000357586 **वार्ड जय प्रकाश नारायण वार्ड,** क्षेत्रफल 1037.5 व.फु. खाली भूमि, **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -225 दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्री पुरूषोत्तम दास ताम्रकार, पिता- परम लाल ताम्रकार, 2. श्री प्रशांत कुमार ताम्रकार, पिता श्री पुरूषोत्तम दास ताम्रकार,** ने मकान नं. ..... सम्पत्ति पिन नं. 1000480223 **वार्ड रानी दुर्गावती- 17 वार्ड ,** भूतल 4300 व.फु., प्रथमतल 1065 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा, न्यायालय आदेश** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -224 दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री अजय कुमार जैन, पिता श्री नरेन्द्र कुमार जैन** ने मकान नं. पी- 93 सम्पत्ति पिन नं. 1000603266 **वार्ड स्वामी विवेकानंद-21 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 1500 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -223 दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्री निलेश कुमार चौरसिया, पिता स्व. श्री रूप नारायण चौरसिया, 2. श्री राजेश चौरसिया, पिता स्व. श्री रूप नारायण चौरसिया** ने मकान नं. प्लाट नं. 12 सम्पत्ति पिन नं. 1000606907 **वार्ड स्वामी विवेकानंद-21 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 2068 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -221 दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **डॉ. श्रीमती अनुमिति जैन, पति डॉ. श्री नीरज जैन** ने मकान नं. 2250/1ए सम्पत्ति पिन नं. 1000495117 का भाग **वार्ड मदन महल- 15 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 2000 व.फु., भूतल 650 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -222 दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती उषा जैन, पति श्री अरविन्द कुमार जैन** ने मकान नं. 2250/1ए सम्पत्ति पिन नं. 1000495117 **वार्ड मदन महल- 15 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 2000 व.फु., भूतल 650 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2026-27 / एम./ Q -220 दिनांक 17.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री रविन्द्र अहिरवार, पिता श्री गोपीचंद अहिरवार** ने मकान नं. प्लाट नं. 48 सम्पत्ति पिन नं. 1004385924 का भाग **वार्ड कमला नेहरू- 19 वार्ड ,** कुल क्षेत्रफल 711.9 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-2 कछपुरा नगर निगम जबलपुर

स्वत्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096